visit us
www.rajasthandar-shanpatrika.com
rajasthandarshan-patrika
rajasthandarshan-news
rajasthandarshan
rajasthan darshan-news channel
rajasthan darshan patrika

दैनिक प्रातः कालीन

RNI. NO.- RAJHIN/2022/ 82942

राजस्थान दर्शन

डाक पंजीयन संख्याः jaipur city/005/2023-25

वर्ष 4 | अंकः 303 | जयपुर, बुधवार, 4 फरवरी, 2026 | पृष्ठ : 8 | मूल्य- 2₹

ब्रीफ न्यूज

युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के सीएम

● राजस्थान दर्शन

इम्फाल। भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री होंगे। भाजपा विधायक दल की मंगलवार को बैठक में उन्हें नेता चुना गया। राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा। ऐसे में बुधवार को शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है। भाजपा सूत्रों के मुताबिक कुकी-जो समुदाय को संतुष्ट करने के लिए 10 कुकी विधायकों में से एक को डिप्टी सीएम का पद दिया जा सकता है। इस दौरान मणिपुर के विधायक दल का नेता चुनने के लिए नियुक्त सेंट्रल ऑब्जर्वर तरुण चुग, संबित पात्रा और मणिपुर के पूर्व सीएम बीरेन सिंह भी मौजूद रहे।

राजस्थान का अग्निवीर पश्चिम बंगाल में शहीद

● राजस्थान दर्शन

श्रीमाधोपुर। सीकर जिले में श्रीमाधोपुर के कंचनपुर-जोरावरनगर गांव निवासी अग्निवीर करणसिंह राठौड़ (22) ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए। सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। गांव में गमगीन माहौल है। भाई चतर सिंह राठौड़ ने बताया कि करणसिंह दिसंबर 2022 में भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में भर्ती हुए थे और 17 कॉर्स सिलीगुड़ी बागडोगरा में तैनात थे। एक फरवरी की शाम को असम से आर्मी के सीओ का फोन आया, जिसमें करणसिंह के निधन की सूचना दी गई। परिवार को जानकारी नहीं मिली कि मौत कैसे हुई। करणसिंह का पार्थिव शरीर सिलीगुड़ी से दिल्ली लाया गया। पार्थिव देह को बुधवार सुबह श्रीमाधोपुर पुलिस थाना लाया जाएगा।

मंत्री किरोड़ी ने अफसरों से कहा-चोर हो तुम

● राजस्थान दर्शन

जयपुर। कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा सवाई माधोपुर मेडिकल कॉलेज के घटिया निर्माण कार्य को देखकर भड़क गए। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिशाषी अभियंता और सहायक अभियंता को कड़ीफटकार लगाई और कहा कि तुम्हें शर्म नहीं आती। प्लास्टर के नाम पर मिट्टी डाल रहे हो। चोर हो। लुटेरों हो...देश को खा रहे हो। मंत्री ने कहा कि सरकार पैसा दे रही है तो कॉलेज का निर्माण टिकाऊ और अच्छा होना चाहिए। उन्होंने निर्माण कार्य की निरंतर मॉनिटरिंग को लेकर उच्च अधिकारियों को निर्देश दिए। अधिशाषी अभियंता ने आरोप लगाया कि मंत्री के समर्थकों ने प्रोजेक्ट मैनेजर नवनीत के साथ मौजूद सहायक अभियंता को पीटा। इसके बाद मेरे साथ भी मारपीट की। मामले की शिकायत जयपुर में बैठे राजस्थान राज्य सड़क विकास और निर्माण निगम लिमिटेड के उच्चाधिकारियों से की गई।

बदले हालात : भारत-अमेरिका ट्रेड डील से खुले समृद्धि के दरवाजे, मुस्कुराया बाजार

ट्रम्प को धन्यवाद, उन्होंने भारत से दोस्ती का मान रखा : गोयल

ऐतिहासिक डील के बाद पीएम मोदी का जोरदार स्वागत

● राजस्थान दर्शन

नई दिल्ली। अमेरिका से ट्रेड डील पर भारत सरकार की ओर से केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने सारे स्थितियों को साफ किया। उन्होंने मीडिया के सामने आकर डील से जुड़े हर पहलुओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इस डील में किसी के भी हितों से समझौता नहीं किया गया। यह ऐसी डील है, जिस पर हर भारतीय को गर्व होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा एग्रीकल्चर और डेयरी दोनों सेक्टर को सपोर्ट किया। उनके हितों की रक्षा की। जो लोग अलग-अलग सेक्टर में इन्वेस्ट करना चाहते हैं, खासकर ऐसे सेक्टर जिनमें ज्यादा मेहनत लगती है और जो लाखों लोगों को रोजगार देते हैं। इस डील से उत्साहित हैं। इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का धन्यवाद, उन्होंने पीएम मोदी की मित्रता का सम्मान किया। दोनों देश इस डील पर जल्द साझा बयान जारी करेंगे।

इससे पहले संसद परिसर में सुबह एनडीए संसदीय दल की बैठक में सांसदों ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जोरदार स्वागत किया। सभी सांसदों ने पीएम मोदी

को इस ऐतिहासिक डील के लिए बधाई दी। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए राष्ट्रपति ट्रंप का नेतृत्व अत्यंत महत्वपूर्ण है। दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र साथ मिलकर काम करते हैं तो इससे हमारे लोगों को लाभ होता है। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का भी औपचारिक रूप से स्वागत किया गया। संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा समेत कई दिग्गज नेता मौजूद रहे।

राष्ट्रपति ट्रंप ने की थी टैरिफ कटौती की घोषणा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार रात को बड़ा ऐलान करते हुए भारत पर लगे टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के इस कदम का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि प्रिय मित्र ट्रंप से फोन बात करके अच्छा लगा। कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इस शानदार घोषणा के लिए भारत की 140 करोड़ की आबादी की ओर से राष्ट्रपति ट्रम्प को हार्दिक धन्यवाद। वहीं ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी से बात करना सम्मान की बात थी। वह मेरे सबसे अच्छे मित्रों में से एक हैं और अपने देश के एक शक्तिशाली और सम्मानित नेता हैं।

तीन दिन की गिरावट के बाद चमके सोना-चांदी

इधर, तीन दिन की गिरावट के बाद मंगलवार को सोने और चांदी के भाव चमक उठे। वायदा बाजार में चांदी के दाम में 17 हजार रुपए (7') की बढ़त हासिल की। एक किलो चांदी का भाव 2.55 लाख रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले तीन दिनों में चांदी की कीमत 1.60 लाख रुपए कम हुई। सोने में भी करीब 5 हजार रुपए (3') की तेजी रही। बीते 3 दिनों में इसकी कीमत 26 हजार कम हुई थी।

ट्रेड डील को शेयर बाजार ने भी दिया सलाम

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति बनने के बाद मंगलवार को शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में जबरदस्त तेजी

दिखी। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 3 हजार 657 अंक चढ़कर 85,324 तक पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 1 हजार 220 अंक की बढ़त के साथ 26,309 पर पहुंच गया। सेंसेक्स भी 4 हजार 206 अंक चढ़कर 85,872 पर पहुंच गया। इससे अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, इटरनल, बजाज फिनसर्व, इंटरग्लोब एविएशन और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भारी उछाल दर्ज हुई।

रुपया भी झूमकर 119 पैसे चढ़ा

टैरिफ में कटौती के बाद रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 119 पैसे की जोरदार बढ़त के साथ 90.30 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिकी शुल्क में कटौती से पूरी तस्वीर बदल गई। इससे दुनिया के सामने भारत की स्थिति मजबूत हुई और भारतीय बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों की वापसी के दरवाजे खुल गए।

लोकसभा स्पीकर पर उछाले कागज, कार्यवाही स्थगित

संसद में टूटी मर्यादा, हंगामे के बाद आठ सांसद निलंबित

● राजस्थान दर्शन

नई दिल्ली। संसद की कार्यवाही के दौरान मंगलवार को सदन की मर्यादा टूटने का मामला सामने आया। लोकसभा में हंगामे के बीच कुछ सांसदों ने स्पीकर की कुर्सी की ओर कागज फेंके। इस पर सख्त कार्रवाई करते हुए संबंधित सांसदों को सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। आठ सांसदों पर यह कार्रवाई हुई। भारी शोर-शराबे और विरोध के कारण सदन की कार्यवाही कई बार रोकनी पड़ी। बाद में इसे बुधवार तक स्थगित कर दिया गया। जिन सांसदों पर सख्त कार्रवाई की गई इनमें डीन कुरियाकोस, किरण रेड्डी, अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, मणिकम टैगौर, गुरजीत औजला, हिबी इडेन, वेंकेट रमन और प्रशांत पडोले शामिल रहे। विपक्ष के सांसदों पर रूल 374 के तहत ही कार्रवाई की गई।

संसद भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन

इसके बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस सदस्यों ने लोकसभा से पार्टी सदस्यों के सस्पेंशन के खिलाफ संसद भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इससे पहले राहुल गांधी ने दूसरे दिन भी 2020 के भारत-चीन संघर्ष पर पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण पर बोलने का प्रयास किया तो उनको स्पीकर ने फिर रोक दिया। इससे हंगामा हो गया।

मोदी ने देश बेचा, वे हमसे डरे हुए : राहुल

विरोध प्रदर्शन के बाद नेता विपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी ट्रेड डील में देश बेच दिया, क्योंकि वे कॉम्प्रोमाइज्ड हैं। पीएम मोदी डरे हुए हैं, क्योंकि जिन्होंने उनकी इमेज बनाई वे ही उसे तोड़ रहे हैं। अमेरिका में अडानी पर केस है, यह असल में मोदी पर केस है। वे मोदी के फाइनेंशियल स्ट्रक्चर को टारगेट कर रहे हैं। एपस्टीन फाइल्स में और भी बहुत कुछ है जो अमेरिका ने रिलीज नहीं किया। उसकी वजह से भी पीएम दबाव में है। उन्होंने कहा कि इतिहास में पहली बार राष्ट्रपति के भाषण पर नेता विपक्ष को बोलने नहीं दिया गया। जनता को इस बारे में सोचने की जरूरत है।

मिट्टी ढहने से चार युवक दबे, 2 की मौत हुई

● राजस्थान दर्शन

पाली। पाली में बीस फीट गहरे गड्?ढे की अचानक मिट्?टी ढहने से चार लोग दब गए। इनमें से दो युवकों की मौत हो गई। दो युवकों को बचा लिया गया। 300 फीट दूर ट्यूबवेल से कुएं का कनेक्शन करने के लिए यह गड्?ढा खोदा गया था। हादसा चंडावल थाना क्षेत्र के चंडावल से केरिया बेरा रास्ते पर बावरियों की ढाणी में मंगलवार को घटा। पुलिस अधिकारी रतनाराम देवासी ने बताया कि हादसे में महेंद्र कुमार (34) पुत्र सम्पतराम बावरी और लक्ष्मण (26) पुत्र बालूराम बावरी की मौत हो गई। वहीं जवरीलाल (26) पुत्र सम्पतलाल बावरी और मनोहर (42) पुत्र सम्पतलाल बावरी घायल हो गए। उनका सोजत हॉस्पिटल में इलाज जारी है।

मध्यप्रदेश से किया एमओयू, 30 हजार ईवीएम आएंगी

किराए की ईवीएम से होंगे प्रदेश में निकाय और पंचायत चुनाव

● राजस्थान दर्शन

जयपुर। राजस्थान में स्थानीय निकाय और पंचायत चुनाव में मतदान के लिए मध्य प्रदेश से 30 हजार ईवीएम मशीनें मंगवाई जाएंगी। ये मशीनें किराए पर ली जाएंगी। इनके जरिए निकाय और पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव होंगे। इसको लेकर मंगलवार को मध्य प्रदेश और राजस्थान निर्वाचन आयोग के बीच एमओयू हुआ। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने बताया कि एमओयू के तहत मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग की तरफ से राजस्थान को चुनावों के लिए 30 हजार कंट्रोल यूनिट और 60 हजार बैलेट यूनिट किराए पर उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि इन ईवीएम का उपयोग प्रदेश में नगर निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों में किया जाएगा। ईवीएम की आपूर्ति, उपयोग, रख-रखाव, सुरक्षा और वापसी से संबंधित सभी शर्तें भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत सुनिश्चित की जाएंगी।

ईवीएम के तकनीकी परीक्षण (एफएलसी), मरम्मत और आवश्यक तकनीकी सहयोग का काम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीआईएल) हैदराबाद के अधिकृत इंजीनियरों की ओर से किया जाएगा। उनकी तरफ से पूरी तरह से तकनीकी जांच और हरी झंडी मिलने के बाद मशीनों को काम में लिया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग मार्च के पहले सप्ताह में पंचायत चुनाव की अधिसूचना जारी कर सकता है। इसके साथ प्रदेशभर में आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। आयोग पंचायत चुनाव तीन चरणों में कराने की योजना पर काम कर रहा है, जबकि नगर निकाय चुनाव अप्रैल माह में कराने की तैयारियां चल रही हैं। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने स्पष्ट किया कि मार्च में पंचायत चुनाव और अप्रैल में नगर पालिका चुनाव संपन्न कराए जाएंगे।

क्रिकेट का कब्रिस्तान पाकिस्तान, पाकिस्तान सरकार का आत्मघाती कदम

संजीव ठाकुर

ऐसी परिस्थितियों में यह फैसला खेल से अधिक राजनीति से प्रेरित प्रतीत होता है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट व्यवस्था में इसके दूरगामी आर्थिक, कूटनीतिक और संस्थागत दुष्परिणाम निश्चित हैं। भारत पाक मुकाबला केवल एक मैच नहीं बल्कि वैश्विक क्रिकेट का सबसे बड़ा व्यावसायिक इवेंट माना जाता है।

पाकिस्तान सरकार ने आगामी ङ्ग20 वर्ल्ड कप 26 को श्रीलंका में होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच में शामिल नहीं होने का फैसला कर लिया है। पाकिस्तान ने इस तरह पाकिस्तान क्रिकेट की कब्र ही खोद दी है। विगत 10 से12 वर्षों में क्रिकेट पाकिस्तान के लिए बोझ बनता जा रहा है और आगामी टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में 15 फरवरी को भारत के विरुद्ध मैच खेलने से पाकिस्तान सरकार के इनकार ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। कयास यह लगाई जा रहे हैं कि भारत से डर कर पाकिस्तान ने मैच खेलने से इनकार कर दिया है गौरतलाप है कि वर्ल्ड कप ङ्ग20 में आठ में से 7 मैच भारत जीता है और केवल एक मैच पाकिस्तान जीत पाया है। ऐसी परिस्थितियों में यह फैसला खेल से अधिक राजनीति से प्रेरित प्रतीत होता है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट व्यवस्था में इसके दूरगामी आर्थिक, कूटनीतिक और संस्थागत दुष्परिणाम निश्चित हैं। भारत पाक मुकाबला केवल एक मैच नहीं बल्कि वैश्विक क्रिकेट का सबसे बड़ा व्यावसायिक इवेंट माना जाता है। जिससे आईसीसी, मेज़बान देश, ब्रॉडकास्टिंग कंपनियां, प्रायोजक और स्वयं दोनों क्रिकेट बोर्डों को भारी राजस्व प्राप्त होता है। इन परिस्थितियों में यदि पाकिस्तान इस मैच से पीछे हटता है तो पहला सीधा झटका इंटरनेशनल ब्रॉडकास्टर्स को लगेगा जिन्होंने अरबों रुपये का निवेश इस टूर्नामेंट के

अधिकारों में किया है। विज्ञापन अनुबंध, स्लॉट बुकिंग और व्यूअरशिप अनुमानों की रीढ़ भारत-पाक मैच पर ही टिकी होती है। मैच रद्द या पाकिस्तान की अनुपस्थिति की स्थिति में ब्रॉडकास्टिंग कंपनियां आईसीसी से मुआवज़े की मांग करेंगी और यह स्वाभाविक है कि आईसीसी उस क्षतिपूर्ति का बोझ संबंधित बोर्ड यानी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और अंततः पाकिस्तान सरकार पर डालने का प्रयास करेगा। विभिन्न मीडिया अनुमानों और पूर्व अनुभवों के आधार पर यह नुकसान लगभग 250 से 300 करोड़ रुपये तक आंका जा रहा है, जो पहले से कर्ज, महंगाई, विदेशी मुद्रा संकट और आईएमएफ की शर्तों से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए अत्यंत गंभीर आर्थिक आघात होगा। इतना ही नहीं यदि आईसीसी इसे टूर्नामेंट की अखंडता और अनुबंध उल्लंघन के रूप में देखती है तो उस पर अतिरिक्त जुर्माना भी लगाया जा सकता है। जिससे कुल नुकसान और बढ़ेगा, इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा शिकार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड होगा जो पहले ही आर्थिक रूप से कमजोर स्थिति में है और जिसकी आय का बड़ा हिस्सा आईसीसी के वितरण और भारत-पाक सीरीज की अप्रत्यक्ष लोकप्रियता पर निर्भर करता है। यदि आईसीसी पाकिस्तान को गैर-पेशेवर व्यवहार या राजनीतिक हस्तक्षेप के लिए दोषी मानती है तो उस पर भविष्य के टूर्नामेंटों की मेजबानी से वंचित किया जा सकता है या पांच वर्ष तक के प्रतिबंध जैसी कठोर कार्रवाई की संभावना भी बन सकती है, जो पीसीबी के लिए लगभग विनाशकारी सिद्ध होगी क्योंकि तब न केवल राजस्व रुकेगा बल्कि खिलाड़ियों का अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर भी सीमित हो जाएगा। पाकिस्तान का यह तर्क कि उसने बांग्लादेश के भारत न आकर खेलने के फैसले के समर्थन में यह कदम उठाया है, तो यह फैसला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत में ज्यादा वजन नहीं रखता क्योंकि आईसीसी का ढांचा द्विपक्षीय राजनीतिक समर्थन नहीं बल्कि लिखित अनुबंधों और तय कार्यक्रमों पर आधारित होता है। खेल की वैश्विक संस्था भावनात्मक या वैचारिक समर्थन से नहीं बल्कि व्यावसायिक अनुशासन से चलती है। पाकिस्तान का यह निर्णय उसे नैतिक ऊंचाई नहीं बल्कि प्रशासनिक अविश्वसनीयता की श्रेणी में खड़ा करता है। भारत की स्थिति इस पूरे विवाद में अपेक्षाकृत मजबूत है क्योंकि बीसीसीआई न केवल आर्थिक रूप से दुनिया का सबसे ताकतवर बोर्ड है बल्कि आईसीसी की आय का सबसे बड़ा स्रोत भी है। इसलिए किसी भी विवाद में आईसीसी संतुलन साधने का प्रयास करेगी लेकिन अंततः नुकसान उसी को उठाना पड़ेगा जो आयोजन को बाधित कर रहा है। पाकिस्तान में क्रिकेट को लेकर पहले ही अस्थिरता रही है,कभी सुरक्षा कारण, कभी सरकार का हस्तक्षेप, कभी बोर्ड की अंदरूनी राजनीति इन सबने मिलकर पाकिस्तान क्रिकेट की विश्वसनीयता को कमजोर किया है और यह फैसला उसी कड़ी का अगला अध्याय लगता है। यदि पाकिस्तान वास्तव में क्रिकेट को 'कब्रिस्तान' बनने से बचाना चाहता है तो उसे यह समझना होगा कि आधुनिक क्रिकेट केवल खेल नहीं बल्कि वैश्विक उद्योग है जहां भावनाओं से अधिक अनुबंध और पेशेवर प्रतिबद्धता मायने रखती है, भारत के खिलाफ न खेलने का निर्णय घरेलू राजनीति में भले ही तालियां बटोर ले, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह पाकिस्तान को अलग-थलग करने की दिशा में एक और कदम साबित हो सकता है। अंततः नुकसान केवल सरकार या बोर्ड का नहीं होगा बल्कि उन खिलाड़ियों का होगा जिनके करियर, मेहनत और सपने इस अव्यवस्था की भेंट चढ़ेंगे, इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि इस फैसले ने पाकिस्तान ने अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी नहीं बल्कि क्रिकेट रूपी आखिरी सहारे पर भी गहरी चोट कर दी है। यदि समय रहते आत्ममंथन नहीं हुआ तो आने वाले वर्षों में पाकिस्तान क्रिकेट इतिहास के पन्नों में गौरव से नहीं बल्कि चेतावनी के उदाहरण के रूप में दर्ज हो सकता है।

कैंसर इलाज मुफ्त क्यों नहीं?

देश का औसतन 9वां नागरिक कैंसर-पीड़ित है। अभी तक कैंसर लगभग लाइलाज है, क्योंकि देश में सुविधाएं और चिकित्सा पर्याप्त नहीं है। जहां इलाज उपलब्ध है, वहां लंबी प्रतीक्षा है, मशीनें खराब पड़ी रहती हैं, डाक्टर भी गायब रहते हैं, शोध का स्तर उथला है और अंततः इलाज बेहद महंगा है। राजधानी दिल्ली की नाक के तले ही कैंसर की नकली दवाइयां बनाई और बेची जा रही हैं।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

कैंसर और मधुमेह (डायबिटीज) भारत में दोहरा, जानलेवा, गंभीर स्वास्थ्य संकट हैं। देश में 2025 तक मधुमेह पीड़ितों की अनुमानित संख्या 12.49 करोड़ है। करीब 8-18 फीसदी कैंसर रोगियों को मधुमेह भी होता है, लिहाजा टाइप-2 मधुमेह के कारण स्तन, कोलन, लिवर, पैंक्रियाज के कैंसर का जोखिम 20-30 फीसदी तक बढ़ जाता है। भारत में मुख कैंसर विश्व में सबसे अधिक है, क्योंकि भारतीय तंबाकू का सेवन बहुत करते हैं। फेफड़े, श्वास-नली, बड़ी आंत या मलाशय, पैंक्रियाज, स्तन आदि के कैंसर करीब 50 फीसदी मौतों के लिए जिम्मेदार हैं। पहली बार बजट में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को 1 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। कुल बजट 1,01,709 करोड़ रुपए का है, जिसे पांच साल में 42 फीसदी बढ़ाया गया है, लेकिन जीडीपी का जितना हिस्सा स्वास्थ्य और शिक्षा पर आवंटित किया जाना चाहिए, उतना बजट नहीं दिया जा रहा है। यह विडंबना और संकुचित सोच का नतीजा ही है। स्वास्थ्य का बजट अब भी 2 फीसदी से कम है, जो 147 करोड़ से अधिक की आबादी वाले देश के लिए 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान है। देश का औसतन 9वां नागरिक कैंसर-पीड़ित है। अभी तक कैंसर लगभग लाइलाज है, क्योंकि देश में सुविधाएं और चिकित्सा पर्याप्त नहीं है। जहां इलाज उपलब्ध है, वहां लंबी प्रतीक्षा है, मशीनें खराब पड़ी रहती हैं, डाक्टर भी गायब रहते हैं, शोध का स्तर उथला है और अंततः इलाज बेहद महंगा है। राजधानी दिल्ली की नाक के तले ही कैंसर की नकली दवाइयां बनाई और बेची जा रही हैं। कुछ गिरोह पकड़े भी जाते हैं, लेकिन उनका कानूनी निष्कर्ष क्या होता है, कितना दंडनीय अपराध साबित होता है, उनका सार्वजनिक खुलासा नगण्य है। बहरहाल बजट में कैंसर, मधुमेह समेत 7 गंभीर बीमारियों की दवाएं सस्ती घोषित की गई हैं। बेशक कैंसर की दवाओं पर शुल्क घटने से इन दवाओं के आयात और वितरण से जुड़ी कंपनियों के मार्जिन में सुधार होगा। बजटीय आबंटन 10,000 करोड़ रुपए का सीधा लाभ उनको मिलेगा, जो 'बायोसिमिलर्स' और शोध पर काम कर रही हैं। बॉयोकॉन, सन फार्मा, जायडस लाइफ साइंसेज को ये लाभ मिल सकते हैं। डा. रेड्डीज कैंसर की कई महत्त्वपूर्ण दवाओं के उत्पादन और वितरण में सक्रिय है। नेटको फार्मा की कैंसर दवाओं के पोर्टफोलियो में इसकी बड़ी पकड़ है। मौजूद सवाल यह है कि देश में कैंसर का इलाज मुफ्त क्यों नहीं किया जा सकता? अथवा जो अस्पताल कैंसर के इलाज के लिए चिह्नित किए जाएं, उनमें इतना अनुशासन और सख्ती की जानी चाहिए कि आम आदमी को कैंसर का इलाज 100 फीसदी सुनिश्चित किया जा सके। जब देश में 'मुफ्त की रेवड़ियां' बांटने की राजनीतिक संस्कृति पुख्ता हो चुकी है और इस आधार पर चुनाव जीते जा रहे हैं, तो कैंसर किसी की जिंदगी और मौत से जुड़ी बीमारी है। 'अमीर अर्थव्यवस्था' वाला देश कैंसर का मुफ्त इलाज मुहैया क्यों नहीं करा सकता? किसानों की सम्मान राशि के लिए बजट में 65,000 करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया गया है, तो कैंसर-पीड़ितों के लिए बजटीय प्रावधान क्यों नहीं किया जा सकता? देश में दवाओं का इतना संकट नहीं है, बल्कि अस्पताल और डाक्टरों की उपलब्धता बहुत कम है। हास्यास्पद् है कि बजट में 'मेडिकल पर्यटन' की खूब गालबजाई की गई है। राजधानी दिल्ली में ही प्रति लाख आबादी पर अस्पताल मात्र 0.52 है। इसके अलावा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और मणिपुर में प्रति लाख आबादी पर औसतन एक अस्पताल नहीं है। सबसे कम डाक्टर नगालैंड, मिजोरम, झारखंड, छत्तीसगढ़ और बिहार में उपलब्ध हैं। देशवासियों और विदेशियों को सहज और सुलभ इलाज कैसे मुहैया कराएंगे? बहरहाल 1 लाख एलाइड पेशेवरों को प्रशिक्षण और 1000 करोड़ रुपए का बजट, 3 नये नेशनल फार्मा संस्थान, 50 फीसदी ट्रॉमा केयर सेंटर, जिलेवार अस्पताल, आयुष फार्मेसी, ड्रग टेस्टिंग लैब, जामनगर स्थित टेऊडिशनल मेडिसन सेंटर और मानसिक स्वास्थ्य केंद्र की घोषणाएं अच्छी हैं, लेकिन उनकी उपस्थिति और सक्रियता जमीन पर भी दिखनी चाहिए। यदि लद्दाख, चंडीगढ़, पुडुचेरी, केरल, तमिलनाडु में प्रति लाख आबादी पर सबसे अधिक बेड उपलब्ध हो सकते हैं, तो यही व्यवस्था देश भर में भी की जा सकती है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस पर बिना किसी हिचक के कड़ा और स्पष्ट ऐतराज जताया। शांत लेकिन सधे हुए शब्दों में उन्होंने सवाल किया कि राहुल गांधी आखिर किस किताब का उल्लेख कर रहे हैं, जिसे न उन्होंने स्वयं देखा है और न ही संसद के पास उसका कोई आधिकारिक संज्ञान है। राजनाथ सिंह ने स्पष्ट किया कि यदि जनरल नरवणे के पास कोई नई या गंभीर जानकारी होती, तो वह संवैधानिक मर्यादाओं के तहत सीधे सरकार को अवगत कराते।

अप्रकाशित किताब, बड़े दावे और खाली हाथ राहुल गांधी

2 फरवरी 2026 का दिन भारतीय संसदीय इतिहास में एक और तीखे और दुर्भाग्यपूर्ण टकराव के रूप में दर्ज हो गया। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की बहस, जो सामान्यतः सरकार की नीतियों पर गंभीर और मर्यादित विमर्श का अवसर होती है, उस दिन राहुल गांधी की आक्रामक राजनीति और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की तथ्यपरक दृढ़ता की भेंट चढ़ गई। लोकसभा का वातावरण अचानक उग्र हो उठा, तर्कों की जगह शोर ने ले ली और संसद की गरिमा एक बार फिर कठघरे में खड़ी दिखाई दी। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चीन, डोकलाम और गलवान का मुद्दा उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश की, लेकिन उनका तरीका, उनका स्रोत और उनकी प्रस्तुति ही उनकी सबसे बड़ी कमजोरी बनकर सामने आ गई।

राहुल गांधी ने अपने भाषण में पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे की कथित अप्रकाशित किताब फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी का हवाला देते हुए यह सनसनीखेज दावा कर दिया कि चार चीनी टैंक भारतीय सीमा में घुसे थे और डोकलाम की एक रणनीतिक रिज पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने इसे सीधे-सीधे मोदी सरकार की विफलता करार दिया और चुनौती भरे लहजे में सवाल उछाला कि सरकार 'सच से डर क्यों रही है?' पहली नजर में यह आरोप चौंकाने वाला था, लेकिन जैसे ही उसके स्रोत की सच्चाई सामने आई, पूरा तर्क खोखला और आधारहीन नजर आने लगा। संसद कोई मंच नहीं है, जहां अप्रमाणित और अप्रकाशित स्रोतों के सहारे गंभीर आरोप उछाल दिए जाएं।

यहीं से राहुल गांधी की राजनीतिक रणनीति पर गंभीर सवाल खड़े होने लगे। संसद के नियम 349 के तहत किसी भी अप्रकाशित, असत्यापित या अप्रमाणिक स्रोत से उद्धरण देना सख्त रूप से निषिद्ध है। जनरल नरवणे की किताब न तो प्रकाशित हुई थी और न ही उसे किसी आधिकारिक प्रक्रिया के तहत संसद के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। इसके बावजूद राहुल गांधी ने कारवां मैगजीन के एक लेख को आधार बनाकर पूरे सदन को गुमराह करने का प्रयास किया। यह केवल संसदीय नियमों का उल्लंघन नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अत्यंत संवेदनशील विषय पर घोर गैर-जिम्मेदाराना रवैये का भी परिचायक था।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस पर बिना किसी हिचक के कड़ा और स्पष्ट ऐतराज जताया। शांत लेकिन सधे हुए शब्दों में उन्होंने सवाल किया कि राहुल गांधी आखिर किस किताब का उल्लेख कर रहे हैं, जिसे न उन्होंने स्वयं देखा है और न ही संसद के पास उसका कोई आधिकारिक संज्ञान है। राजनाथ सिंह ने स्पष्ट किया कि यदि जनरल नरवणे के पास कोई नई या गंभीर जानकारी होती, तो वह संवैधानिक मर्यादाओं के तहत सीधे सरकार को अवगत कराते। उन्होंने यह भी दोहराया कि नरवणे ने कभी अपनी किताब के प्रकाशन को लेकर किसी तरह की कानूनी लड़ाई नहीं लड़ी। रक्षा मंत्री का यह तर्कपूर्ण जवाब न सिर्फ संसदीय नियमों पर आधारित था, बल्कि राहुल गांधी के पूरे राजनीतिक नैरेटिव की बुनियाद को ही हिला देने वाला साबित हुआ।

बहस के दौरान गृह मंत्री अमित शाह का हस्तक्षेप राहुल गांधी के लिए और अधिक असहज साबित हुआ। अमित शाह ने साफ शब्दों में कहा कि जिस लेख का हवाला दिया जा रहा है, वह भी उसी अप्रकाशित किताब पर आधारित है, जिसे संसद में उद्धृत करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने राहुल गांधी से सीधा सवाल किया कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के बीच अचानक चीन का मुद्दा उठाने का उद्देश्य क्या है। यह संकेत स्पष्ट था कि मामला राष्ट्रहित से अधिक राजनीतिक लाभ का था। भाजपा सांसदों की नारेबाजी और स्पीकर ओम बिरला की बार-बार चेतावनियों के बीच सदन की कार्यवाही लगातार बाधित होती रही। राहुल गांधी का रवैया इस पूरे घटनाक्रम में उनके पुराने राजनीतिक पैटर्न को ही दोहराता दिखा। नियमों की अनदेखी करना, विवाद खड़ा करना, खुद को अकेला सच बोलने वाला दिखाना और जब जवाब मिले तो हंगामे का सहारा लेना–यह कोई नया तरीका नहीं था। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भारत-चीन संबंधों पर चर्चा नहीं हो सकती, जबकि असल फर्क चर्चा और अफवाह के बीच होता है। भाजपा ने तुरंत जनरल नरवणे का पुराना बयान सामने रखा, जिसमें उन्होंने स्पष्ट कहा था कि 'न एक इंच जमीन गई है।' यह राहुल के दावों पर सीधा और निर्णायक प्रहार था।

यह पूरी बहस इस बात को उजागर करती है कि राहुल गांधी किस तरह राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर विषय को भी राजनीतिक हथियार बना लेते हैं। गलवान में शहीद हुए 20 जवानों का बलिदान पूरे देश के लिए पीड़ा का विषय है, लेकिन बिना ठोस प्रमाण उस मुद्दे को बार-बार उठाना न तो संवेदनशीलता है और न ही जिम्मेदार विपक्ष का आचरण। राजनाथ सिंह ने सही कहा कि सेना की प्रतिष्ठा और देश की सुरक्षा पर सवाल उठाने के दूरगामी परिणाम होते हैं। ऐसे बयान सेना का मनोबल गिराते हैं और राष्ट्रीय एकता को कमजोर करते हैं।

राजनाथ सिंह ने तथ्यों के आधार पर स्पष्ट किया कि चीन की ओर से कोई नई घुसपैठ नहीं हुई है और मोदी सरकार ने एलएसी पर मजबूत स्थिति बनाई है। इसके विपरीत, राहुल गांधी के आरोप अटकलों और अप्रमाणित बातों पर आधारित थे। कांग्रेस की राजनीति अब सरकार-विरोध तक सीमित नजर आती है, चाहे उससे राष्ट्रीय हित को नुकसान ही क्यों न पहुंचे। सदन के बाहर राहुल गांधी का यह कहना कि प्रधानमंत्री जवाब देने से भाग गए, दरअसल उनकी अपनी संसदीय विफलता को ही उजागर करता है, क्योंकि बहस के दौरान उनके पास कोई ठोस तथ्य मौजूद नहीं था। दिन के अंत में लोकसभा की कार्यवाही भले ही स्थगित हो गई, लेकिन तस्वीर पूरी तरह साफ हो चुकी थी। राहुल गांधी का पूरा प्रयास धराशायी हो गया। न केवल उनके आरोप खारिज हुए, बल्कि उनकी राजनीतिक रणनीति भी कठघरे में आ खड़ी हुई।

रक्षा बजट 2026-27: बदलती सुरक्षा नीति, आक्रामक तैयारी और वैश्विक शक्ति बनने की दिशा...

वित्त मंत्री द्वारा संसद में पेश किया गया वर्ष 2026-27 का आम बजट, विशेषकर उसका रक्षा खंड, केवल वित्तीय आँकड़ों का नीरस दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि यह बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की नई सुरक्षा नीति का स्पष्ट उद्घोष है। हाल ही में घटित 'ऑपरेशन सिंदूर' ने यह सिद्ध कर दिया है कि आधुनिक युद्धों में त्वरित निर्णय, तकनीकी बढ़त और घातक मारक क्षमता ही निर्णायक होती है। इसी पृष्ठभूमि में रक्षा बजट में ऐतिहासिक 15 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, जिससे कुल आवंटन बढ़कर 7.85 लाख करोड़ रुपये हो गया है। कुल सरकारी व्यय का 14.67 प्रतिशत रक्षा पर खर्च होना यह संकेत देता है कि भारत अब अपनी सुरक्षा और संप्रभुता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। इस भारी-भरकम बजट वृद्धि के पीछे बदलती वैश्विक भू-राजनीति प्रमुख कारण है। यूक्रेन युद्ध का लंबा खिंचना, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और महाशक्तियों की आक्रामक नीतियां यह स्पष्ट चेतावनी देती हैं कि आज की दुनिया में कमजोर राष्ट्रों के लिए कोई सुरक्षित स्थान नहीं है। भारत सरकार ने इस कठोर यथार्थ को स्वीकार कर लिया है कि 'शक्ति ही शांति की सबसे विश्वसनीय गारंटी है,' इसलिए यह बजट किसी खर्च का नहीं, बल्कि भारत के अस्तित्व, सम्मान और भविष्य की सुरक्षा में किया गया रणनीतिक निवेश है। वैश्विक संदर्भ में देखें तो भारत का रक्षा व्यय जीडीपी के 2 प्रतिशत के स्तर को पार करना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। जहाँ अमेरिका अपनी वैश्विक सैन्य श्रेष्ठता बनाए रखने के लिए जीडीपी का लगभग 3.4 प्रतिशत, पाकिस्तान अपनी चरमराती अर्थव्यवस्था के बावजूद करीब 2.8 प्रतिशत, और युद्धरत रूस व इज़रायल क्रमशः 7 प्रतिशत और 8 प्रतिशत से अधिक खर्च कर रहे हैं, वहीं भारत का यह कदम चीन (आधिकारिक रूप से लगभग 1.7 प्रतिशत) और पाकिस्तान–दोनों से उत्पन्न चुनौतियों को संतुलित रूप से साधने के लिए आवश्यक और समयोचित है। यह दर्शाता है कि भारत अब सुरक्षा को आकस्मिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति के रूप में देख रहा है। बजट का ढाँचा भी इस रणनीति की पुष्टि करता है। यदि व्यय संरचना को समग्र रूप से देखा जाए, तो कुल बजट का लगभग 28 प्रतिशत नए हथियारों व सैन्य प्लेटफॉर्म्स पर, करीब 25 प्रतिशत सेना के रोज़मर्रा के संचालन एवं वेतन पर, लगभग 22 प्रतिशत पूर्व सैनिकों की पेंशन और कल्याण पर तथा शेष हिस्सा सीमा अवसंरचना और रक्षा अनुसंधान पर खर्च किया जा रहा है। यह वितरण दर्शाता है कि भारत का रक्षा बजट युद्ध की तात्कालिक तैयारी के साथ-साथ दीर्घकालिक सैन्य स्थिरता पर केंद्रित है। सेना के आधुनिकीकरण के लिए पूंजीगत व्यय को इस वर्ष 22 प्रतिशत बढ़ाकर 2.19 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत अब पुराने संसाधनों के सहारे काम चलाने की बजाय 'जनरेशन-जंप' आधुनिकीकरण की ओर बढ़ रहा है। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान और उसके बाद भारतीय सेना को बड़े पैमाने पर आपातकालीन खरीद करनी पड़ी थी–जिसमें ड्रोन, गोला-बारूद, निगरानी उपकरण और व्यक्तिगत सुरक्षा साधन शामिल थे। इनमें से कई खरीदों का भुगतान तत्काल नहीं हो पाया था। इस वर्ष के बजट में पूंजीगत व्यय में की गई भारी बढ़ोतरी का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य इन पिछली वित्तीय देनदारियों का समायोजन करना भी है, ताकि सेना भविष्य में किसी संसाधन-संकट का सामना न करे। यह बजट भारत की सुरक्षा सोच को तीन स्तरों पर–आसमान में वर्चस्व, समंदर में नियंत्रण, और ज़मीन पर निर्णायक बढ़त के रूप में–स्पष्ट करता है। वायुसेना के लिए 53,733 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिसका उद्देश्य 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद प्रक्रिया को आगे बढ़ाना और फ्रांस के साथ AMCA इंजन तकनीक का संयुक्त विकास करना है। बजट में 'मीटियॉर' और 'स्कैल्प' जैसी लंबी दूरी की मिसाइलों का प्रावधान भारत की डीप-स्ट्राइक क्षमता को 100-300 किलोमीटर तक विस्तारित करता है, जिससे वायु शक्ति स्पष्ट रूप से आक्रामक स्वरूप ग्रहण करती है। वहीं, हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए नौसेना के लिए 25,030 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे INS विक्रांत के लिए राफेल-रू लड़ाकू विमान और प्रोजेक्ट 75 (I) के तहत AIP तकनीक वाली पनडुब्बियों की खरीद को गति मिलेगी, जो भारत की सी-डिटरेंस क्षमता को मजबूत करती हैं। थलसेना के संदर्भ में 'ऑपरेशन सिंदूर' का जमीनी अनुभव निर्णायक रहा है। लद्दाख और अरुणाचल की ऊँचाई वाली सीमाओं के लिए स्वदेशी 'ज़ोरावर' लाइट टैंक, अमेरिका से MQ-~B प्रीडेटर ड्रोन और आधुनिक SiG-716 राइफल्स को प्राथमिकता दी गई है। इसके अतिरिक्त, आतंकवाद-रोधी अभियानों की संवेदनशीलता को देखते हुए राष्ट्रीय राइफल्स के लिए 255 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान भी किया गया है। हथियार खरीदना एक पहलू है, लेकिन फौज को युद्ध के लिए तैयार रखना दूसरा। इसे ध्यान में रखते हुए राजस्व बजट में 17 प्रतिशत की वृद्धि कर इसे 3.06 लाख करोड़ रुपये किया गया है। इसमें से 1.58 लाख करोड़ रुपये सिर्फ उपकरणों के रखरखाव पर खर्च होंगे। सैनिकों का मनोबल बनाए रखने के लिए भूतपूर्व सैनिकों की पेंशन और कल्याण हेतु 1.71 लाख करोड़ रुपये का आवंटन सैनिकों के प्रति राष्ट्र की नैतिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। भविष्य की तैयारियों को भी इस बजट में नजरअंदाज नहीं किया गया है। सीमा सड़क संगठन को 7,329 करोड़ रुपये और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन को 29,100 करोड़ रुपये (जिसमें 17,050 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय शामिल है) आवंटित किए गए हैं। साथ ही, 1.39 लाख करोड़ रुपये की रक्षा खरीद को केवल घरेलू उद्योगों के लिए आरक्षित कर भारत को रक्षा आयातक से रक्षा निर्यातक बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाया गया है। निष्कर्षतः, 7.85 लाख करोड़ रुपये का यह रक्षा बजट केवल वित्तीय प्रावधान नहीं, बल्कि भारत के मान-सम्मान, सुरक्षा और संप्रभुता का दस्तावेज़ है। 'ऑपरेशन सिंदूर' और वैश्विक युद्धों से सबक लेते हुए भारत अब बचाव नहीं, बल्कि प्रहार की पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ रहा है और जीडीपी के 2 प्रतिशत से अधिक का यह निवेश भारत को एक 'विश्व शक्ति' के रूप में स्थापित करने की तैयारी है। यही इस बजट का केंद्रीय संदेश है।

कर्नल देव आनंद लोहामरोड

जरूरतमंद बच्चों को स्वेटर व खाद्य सामग्री वितरित

● राजस्थान दर्शन

जयपुर। अभिलाषा वुमन वेलफेयर सोसाइटी, जयपुर द्वारा महिमा एलजां सोसाइटी में पास स्थित कच्ची बस्ती के जरूरतमंद बच्चों को स्कूल बैग, स्वेटर एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। नए स्कूल बैग और स्वेटर पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर सोसाइटी की अध्यक्षा डॉ. रमा माथुर ने अभिलाषा वुमन वेलफेयर सोसाइटी की विभिन्न गतिविधियों एवं सामाजिक उद्देश्यों की जानकारी दी और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में सोसाइटी की सचिव कल्पना माथुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके प्रयासों से महिमा एलजां की कुछ गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति भी रही, जिससे कार्यक्रम और अधिक गरिमामय बन गया। इस अवसर पर सोसाइटी की उपाध्यक्ष डॉ. विजय लक्ष्मी माथुर, डॉ. अंदू सक्सेना, निर्मला, कृष्णा, हेमा सहित अन्य सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।

यात्रियों की सुविधा हेतु मैसूरू-अजमेर-मैसूरू स्पेशल रेलसेवा की संचालन अवधि में 17 ट्रिप का विस्तार

● राजस्थान दर्शन

जयपुर। रेलवे द्वारा आगामी त्यौहारों व ग्रीष्मावकाश पर यात्रियों की सुविधा हेतु मैसूरू-अजमेर-मैसूरू स्पेशल रेलसेवा की संचालन अवधि में विस्तार किया जा रहा है। साथ ही इस रेलसेवा का अजमेर के स्थान पर मदार तक विस्तार कर मार्ग के कुछ स्टेशनों पर संचालन समय में परिवर्तन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री अमित सुदर्शन के अनुसार गाडी संख्या 06281, मैसूरू-मदार साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा दिनांक 07.02.26 से 30.05.26 तक (17 ट्रिप) मैसूरू से प्रत्येक शनिवार को अपने निर्धारित समय से रवाना होकर सोमवार को 05.00 बजे मदार पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 06282, मदार-मैसूरू साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा दिनांक 09.02.26 से 01.06.26 तक (17 ट्रिप) मदार से प्रत्येक सोमवार को 18.20 बजे रवाना होकर अपने निर्धारित समय पर मैसूरू पहुँचेगी।

नेशनल-हाईवे पर चलते कंटेनर में ड्राइवर को आया हार्ट अटैक, मौत

● राजस्थान दर्शन

अलवर / बहरोड़। कंटेनर लेकर जा रहे 30 साल के ट्रक ड्राइवर की हार्ट अटैक से मौत हो गई। तबीयत खराब होने के बाद ड्राइवर बाहर निकला और कंटेनर के आगे बैठ गया। थोड़ी देर बाद उसकी मौत हो गई। घटना कोटपूतली-बहरोड़ जिले के बहरोड़ थाना क्षेत्र के गुति गांव की है। बहरोड़ थाने के कार्यवाहक थाना अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया-युवक की पहचान साहिल (30) निवासी नूंह (हरियाणा) के रूप में हुई है। मृतक के भाई रिहान फजल ने पुलिस मे मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने बताया-सुबह 5:30 बजे सूचना मिली कि गुति गांव के नेशनल हाईवे-48 पर दिल्ली की ओर जाने वाली साइड की सर्विस रोड पर एक युवक अचेत हालत में पड़ा है। पास ही में एक कंटेनर ट्रक खड़ा हुआ है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। जहां कंनेटर से मिले दस्तावेज के आधार पर युवक की पहचान साहिल (30) निवासी हरियाणा के रूप में हुई। युवक को 1033 एंबुलेंस की मदद से बहरोड़ के जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर दोपहर 12 बजे परिजन बहरोड़ पहुंचे। हाईवे पर पूछताछ करने पर सामने आया कि कंनेटर चलाने के दौरान युवक के सीने में तेज दर्द उठा। इसके बाद उसने ट्रक को साइड में खड़ा किया और बाहर आकर उसके आगे उल्टी करने लगा। इसके बाद युवक वहीं अचेत होकर गिर गया। इस पर आसपास के होटल वाले मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। बहरोड़ अस्पताल के डॉक्टर आदर्श अग्रवाल ने बताया-प्रारंभिक जांच में मौत का कारण हार्ट अटैक आया है। रिपोर्ट आने के बाद कारण पूरी तरह स्पष्ट हो सकेंगे। मृतक के भाई रिहान ने बताया-साहिल पांच भाइयों में दूसरे नंबर का था और ट्रक ड्राइवरी का काम करता था। अभी तक उसकी शादी नहीं हुई थी। वह अक्सर लंबे रूट की गाड़ी चलाता था। इस बार भी वह भिवंडी (महाराष्ट्र) से परचून का सामान लेकर फरीदाबाद (हरियाणा) जा रहा था। कार्यवाहक थाना अधिकारी ने बताया-भाई की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है।

नई पुलिस चौकियां खोलने के लिए सर्वेक्षण पूर्ण आवश्यकता और उपलब्ध संसाधनों के आधार पर निर्णय लिया जाएगा : गृह राज्य मंत्री

● राजस्थान दर्शन

जयपुर। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि सुभाष चौक थाना वर्तमान में बेहद सीमित जगह पर संचालित है। आस-पास उपयुक्त खाली भूमि उपलब्ध नहीं होने के कारण इसे स्थानान्तरित करने के लिए भूमि चिह्नित नहीं की जा सकी है। उन्होंने कहा कि सघन इलाकों में पुलिस चौकियां खोलने के लिए राज्य सरकार द्वारा सर्वेक्षण करवाया गया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि आवश्यकता और उपलब्ध संसाधनों के आधार पर नई पुलिस चौकियां खोलने पर विचार किया जाएगा। गृह राज्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक बालमुकुन्दाचार्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे।

राजस्थान दर्शन स्पेशल : खेल जगत

जब बल्ला बोलता है, तो पीछे जयपुर का 'बैट सर्जन' होता है

टीम इंडिया और इंटरनेशनल स्टार्स की ताबड़तोड़ बैटिंग के पीछे घनश्याम 'कान्हा' की खामोश कारीगरी

● राजस्थान दर्शन

डेस्क जयपुर। क्रिकेट के मैदान पर जब गेंद स्टैंड्स के पार जाती है, तो तालियां सिर्फ बल्लेबाज़ के लिए नहीं बजतीं - कहीं न कहीं जयपुर की एक छोटी सी वर्कशॉप की मेहनत भी उसमें शामिल होती है। भारतीय क्रिकेट टीम के कई स्टार बल्लेबाजों की आक्रामक बैटिंग के पीछे अब एक नाम तेजी से चर्चा में है - जयपुर के घनश्याम, जिन्हें क्रिकेट जगत 'बैट सर्जन' के नाम से जानने लगा है।

बल्ला अब सिर्फ लकड़ी नहीं, विज्ञान है

आज का क्रिकेट सिर्फ फिटनेस और तकनीक तक सीमित नहीं रहा। अब इक्विपमेंट गेम-चेंजर बन चुका है। घनश्याम का काम बल्ले को सिर्फ चमकाना नहीं, बल्कि उसकी पूरी पर्सनैलिटी बदल देना है :–

- सही बैलेंस
- सटीक स्वीट स्पॉट
- बेहतर पावर ट्रांसफर
- बल्लेबाज़ के खेलने के स्टाइल के हिसाब से वज़न और प्रेसिंग
- ग्रिप से लेकर एज तक, हर मिलीमीटर पर बारीकी से काम होता है, ताकि मैदान पर बल्लेबाज़ को बल्ला नहीं, कॉन्फिडेंस महसूस हो।

अभिषेक शर्मा बोले - 'वाह पाजी, मज़ा आ गया'

हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान अभिषेक शर्मा जयपुर पहुंचे। उन्होंने अपने बल्ले में कुछ खास बदलाव करवाए और उसके बाद न्यूज़ीलैंड के खिलाफ जो हुआ, वो सबने देखा। बल्ला ऐसा गरजा कि न्यूज़ीलैंड के खिलाड़ी भी उसे हाथ में लेकर जांचने लगे।

घनश्याम बताते हैं, 'अभिषेक ने बल्ला पकड़ते ही कहा कि वाह पाजी, मज़ा आ गया। इंटरनेशनल खिलाड़ियों के बल्ले मार्केट में मिलने वाले बल्लों जैसे नहीं होते, उन्हें खास तौर पर तैयार किया जाता है। '

टीम इंडिया से आईपीएल तक भरोसे का नाम

घनश्याम की कारीगरी पर भरोसा जताने वालों की लिस्ट लंबी है-हार्दिक पांड्या, सूर्यकुमार यादव, यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा

और सिर्फ भारत ही नहीं...

आईपीएल में जो रूट, जोस बटलर, फाफ डुप्लेसिस जैसे दिग्गज भी अपने बल्ले जयपुर भेज चुके हैं। कई फ्रैंचाइज़ियां पूरे सीजन के लिए उनसे जुड़ी रहती हैं। खामोश हीरो, जो शॉट्स से पहले काम करता है घनश्याम कैमरों से दूर रहते हैं, लेकिन जब छक्का लगता है-तो उनकी मेहनत खुद बोलती है। आज जब क्रिकेट में हर रन की कीमत है, तब जयपुर का ये बैट सर्जन साबित कर रहा है कि मैच सिर्फ मैदान में नहीं, वर्कशॉप में भी जीते जाते हैं।

मुख्य सचिव ने केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए पात्र आईपीएस अधिकारियों से किया संवाद

केंद्रीय स्तर पर प्राप्त अनुभव राज्य प्रशासन को भी सशक्त बनाता है : मुख्य सचिव

● राजस्थान दर्शन

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि केंद्रीय प्रतिनियुक्ति न केवल कैडर की जिम्मेदारी है, बल्कि यह अधिकारियों के करियर विकास का भी महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा केंद्रीय स्तर पर प्राप्त अनुभव राज्य प्रशासन को भी सशक्त बनाता है। मुख्य सचिव मंगलवार को शासन सचिवालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए पात्र भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों के साथ आयोजित संवादात्मक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने पात्र अधिकारियों को अपने करियर की योजना बनाते हुए समयबद्ध एवं सोच-समझकर निर्णय लेने तथा केंद्रीय सेवाओं में योगदान देने के लिए कहा। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि वर्ष 2011 बैच से आगे के अधिकारियों के लिए यह आवश्यक है कि वे एसपी अथवा डीआईजी स्तर पर न्यूनतम दो वर्ष की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पूर्ण कर चुके हों, जिससे वरिष्ठ पदों पर नियुक्ति से पूर्व उन्हें केंद्र सरकार में कार्य का अनुभव प्राप्त हो सके। बैठक के दौरान कार्मिक विभाग द्वारा केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। सेवा अवधि के आधार पर विभिन्न स्तरों- एसपी, डीआईजी, आईजी, एडीजी एवं डीजी पर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति हेतु पात्रता की जानकारी के साथ ही केंद्रीय प्रतिनियुक्ति की सामान्य अवधि, पदोन्नति के दौरान संयुक्त कार्यकाल, कठिन क्षेत्रों में सेवा देने पर अवधि विस्तार, प्रशिक्षण अवधि की गणना, कूलिंग-ऑफ अवधि, प्रत्यावर्तन एवं डिबारमेंट से जुड़े प्रावधानों को भी बताया गया। इस अवसर पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों एवं केंद्रीय संगठनों में आईपीएस अधिकारियों के लिए स्वीकृत पदों एवं वर्तमान रिक्तियों की स्थिति की भी जानकारी साझा की गई, जिससे अधिकारियों को उपलब्ध अवसरों का स्पष्ट ब्यौरा मिल सके। बैठक में शासन सचिव, कार्मिक विभाग श्रीमती अर्चना सिंह सहित गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि राज्य के विभिन्न जिलों एवं इकाइयों से आईपीएस अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में सहभागिता की।

शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर जोन उपायुक्त निकले फील्ड विजिट पर

जयपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में श्रेष्ठ रैंकिंग के लिए नगर निगम ने कमर कस ली है मंगलवार को सभी जोन उपायुक्तों ने स्वच्छ सर्वेक्षण से जुड़े बिन्दुओं पर जोन के विभिन्न स्थानों का विस्तृत निरीक्षण किया। सभी जोन उपायुक्तों ने आमजन से डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण का फीडबैक लिया, ओपन डिपो के निरीक्षण किये, संबंधित सीएसआई, एसआई को सफाई के निर्देष दिये, सीएनडी वेस्ट की स्थिति ग्रीन नेट, सड़क किनारे लगे पेड़, पौधों की कटाई छटाई, रेड स्पॉट, येलो स्पॉट, बैकलाइन का सौन्दर्यकरण, होर्डिंग, बैनर, पोस्टर, स्टीकर आदि को हटाने के निर्देष दिये। सभी जोन में वार्ड क्षेत्र के विभिन्न रेजिडेषियल एवं व्यवसायिक क्षेत्रों की स्वच्छता, व्यवस्थाओं एवं नागरिक सुविधाओं का अवलोकन किया। दुकानदारों को दो डस्टबिन रखने के निर्देष दिये तथा खुले में कचरा ना फैलाने एवं दो डस्टबिन रखने व कचरे को गीले व सूखे कचरे के रूप में पृथक्करण, अस्थायी अतिक्रमण हटाने के निर्देष दिये। नगर निगम जयपुर के आयुक्त डॉ. गौरव सैनी निर्देषानुसार समस्त जोन उपायुक्तों ने स्वच्छ सर्वेक्षण के विभिन्न बिन्दुओं का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सिटी प्रोफाइल क्षेत्र का चेकलिस्ट के अनुसार गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वार्ड क्षेत्र के विभिन्न रेजिडेंशियल एवं व्यवसायिक क्षेत्रों की स्वच्छता, व्यवस्थाओं एवं नागरिक सुविधाओं का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के अंतर्गत पुरोहित जी का बाग, न्यू कॉलोनी, वाल्मीकि कॉलोनी, पंडित शिवदीन जी का रास्ता एवं ठठेरा का रास्ता स्थित रेजिडेंशियल क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया साथ ही इंदिरा बाजार के व्यवसायिक क्षेत्र एवं सार्वजनिक शौचालय की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान पाए गए अतिक्रमणों को तत्काल प्रभाव से हटवाया गया एवं संबंधित व्यक्तियों को भविष्य में पुनः अतिक्रमण न करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त निरीक्षण में पाई गई कमियों एवं अनियमितताओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए गए। जोन उपायुक्तों द्वारा स्थानीय रहवासियों एवं व्यापारियों से साफ-सफाई एवं नगर निगम की व्यवस्थाओं को लेकर फीडबैक भी प्राप्त किया गया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने राधा स्वामी सत्संग (ब्यास) के संरक्षक से की शिष्टाचार भेंट

● राजस्थान दर्शन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को सांगानेर के बिलवा स्थित राधा स्वामी सत्संग केन्द्र पहुंचकर हुजूर जसदीप सिंह गिल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राधा स्वामी सत्संग (ब्यास) के संरक्षक गिल का शॉल ओढ़ाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर विधायक फूल सिंह मीना सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे।

इंडिया स्टोनमार्ट 2026 आयोजन की तैयारियां तेज

एसीएस शिखर अग्रवाल ने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर लिया तैयारियों का जायजा

● राजस्थान दर्शन

जयपुर। इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के आयोजन की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) शिखर अग्रवाल ने मंगलवार को जेईसीसी पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने आयोजन स्थल का भ्रमण कर अब तक की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों और एजेंसियों को तय समय से पूर्व कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। अग्रवाल ने निरीक्षण के दौरान प्रदर्शनी हॉल, आगंतुक सुविधाएं, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, लॉजिस्टिक प्लानिंग एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि आयोजन के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानकों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि देश-विदेश से आने वाले उद्योग प्रतिनिधियों, व्यापारियों और निवेशकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

- लगभग 25,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में भव्य प्रदर्शनी।
- कुल 500 से अधिक स्टॉल्स के माध्यम से स्टोन, मशीनरी और वैल्यू-एडेड उत्पादों का प्रदर्शन।
- जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल का आयोजन।
- घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खरीददारों और भारतीय प्रदर्शकों के बीच संवाद।
- छात्रों एवं युवा प्रतिभाओं के लिए डिजाइन एवं नवाचार आधारित प्रतियोगिताएं।
- ग्लोबल स्टोन टेक्नोलॉजी फोरम और नीति संवाद सत्र।

मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान (दवा) योजना के तहत खर्चे में कमी नहीं : चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री

● राजस्थान दर्शन

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान (दवा) योजना के तहत उपलब्ध करवाई जाने वाली दवाओं का खर्चा कम नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 में 1 हजार 572 करोड़ रुपये व्यय किये गए। इसी प्रकार वर्ष 2024 में 1 हजार 725 तथा वर्ष 2025 में 1 हजार 656 करोड़ रुपये व्यय किये गए। उन्होंने बताया कि आरजीएचएस योजना के तहत वर्ष 2023- 24 में 19.71 करोड़ लोगों को लाभान्वित किया गया। इसी प्रकार वर्ष 2024-25 में 19.95 करोड़ तथा वर्ष 2025-26 में दिसम्बर तक 15.73 करोड़ व्यक्तियों को लाभान्वित किया गया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक हरिमोहन शर्मा द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि कफ सिरप से प्रदेश में हुई मौतों के किसी भी मामले में विभागीय चिकित्सक द्वारा दवा के लिए प्रस्क्रिप्शन नहीं लिखा गया था। जांच में सामने आया कि माता पिता द्वारा दो साल के बच्चे को बिना चिकित्सकीय सलाह के कफ सिरप दिया गया तथा दवा की ओवरडोज के चलते बच्चे की मृत्यु हो गई। अन्य मामलों में कोमॉरबिडिटी (साथ में अन्य बिमारियां) के चलते बच्चों की मौत हुई। इससे पहले विधायक हरिमोहन शर्मा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान (दवा) योजना के अन्तर्गत माह जनवरी, 2023 से दिसम्बर, 2025 तक वर्षवार व जिलेवार आंवटित व व्यय की गई राशि का विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न गतिविधियों एवं योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए वर्ष 2023-24 में स्वीकृत राशि 38.86 करोड़ रुपये के विरुद्ध 23.54 करोड़ रुपये व्यय किये गए थे। इसी प्रकार वर्ष 2024-25 में स्वीकृत राशि 37.37 करोड़ रुपये के विरुद्ध 28.44 करोड़ रुपये तथा वर्ष 2025-26 में स्वीकृत राशि 21.59 करोड़ रुपये के विरुद्ध 31 दिसम्बर 2025 तक 1.98 करोड़ रुपये व्यय किये गए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान (दवा) योजना के अन्तर्गत प्रचार-प्रसार के लिए अलग से राशि स्वीकृत नहीं की जाती है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान (दवा) योजनान्तर्गत विभिन्न संविदा कार्मिको की सेवाएं ली जा रही है। इनमें 4710 मशीन विद मैन, 251 फार्मासिस्ट तथा 598 डीडीसी हैल्पर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि योजनान्तर्गत आरएमआरएस के माध्यम से कार्यरत संविदा कर्मियों को श्रम विभाग की अधिसूचना के अनुसार न्यूनतम मजदूरी की दर से एवं सेवा प्रदाता एजेंन्सी के माध्यम से कार्यरत संविदाकर्मियो को वित्त विभाग के परिपत्र दिनांक 30 अप्रेल 2018 के अनुसार दर निविदाओं के आधार पर मानदेय का भुगतान किया जा रहा है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा वितरण योजना के अन्तर्गत दवाइयों के क्रय हेतु वर्तमान में जिन कम्पनियों को एलओए जारी किए गए है एवं जिनकी दर संविदा चालू है, उन सभी कम्पनियों एवं दवाइयों की सूची सदन के पटल पर रखी।

स्कॉर्पियो ने सड़क किनारे खड़े 3 को कुचला, 2 की मौत

● राजस्थान दर्शन

बाड़मेर / गुडामालानी। सड़क किनारे खड़े होकर बात कर रहे युवक, उसके चाचा और बहन के ससुर को काले रंग की स्कॉर्पियो ने कुचल दिया। बेकाबू स्कॉर्पियो इतनी तेज रफ्तार में थी कि टक्कर लगते ही तीनों उछलकर पास के खेत में जा गिरे, बाइक बुरी तरह डैमेज हो गई। हादसे के बाद स्कॉर्पियो भी सड़क किनारे जाकर रुक गई। धमाके की आवाज सुनकर ग्रामीण तीनों को बचाने दौड़े तो स्कॉर्पियो सवार मौके का फायदा उठा कर गाड़ी छोड़ भाग निकला। हादसे में युवक और उसकी बहन के ससुर की मौत हो गई, जबकि चाचा का इलाज जारी है। मामला बाड़मेर के गुड़ामालानी थाना इलाके के बांटा-गुड़ामालानी रोड दोपहर 2:30 बजे की है।

गंगापुर-हिंडौन-भरतपुर मेगा हाईवे बना मौत का रास्ता

टूटी सड़क, उड़ता डामर, फिर भी वसूला जा रहा टोल - तीन साल से सरकार मौन

● राजस्थान दर्शन

गंगापुर सिटी। गंगापुर सिटी से हिंडौन होते हुए भरतपुर को जोड़ने वाला गंगापुर-भरतपुर मेगा हाईवे आज क्षेत्रवासियों के लिए सुविधा नहीं, बल्कि जानलेवा साबित हो रहा है। सड़क की हालत इतनी बदतर है कि जगह-जगह गड्ढे, उखड़ा हुआ डामर और टूटी परतें साफ दिखाई देती हैं। इसके बावजूद इस मार्ग पर धड़ल्ले से टोल वसूली की जा रही है, जो अपने आप में बड़ा सवाल खड़ा करती है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह सड़क पिछले तीन वर्षों से पूरी तरह क्षतिग्रस्त है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि अब तक सरकार और जिम्मेदार विभागों ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। यह सड़क राजस्थान राज्य सड़क विकास एवं निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा बनाई

गई थी, लेकिन निर्माण की गुणवत्ता पर अब गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

रोज़ हो रहे हादसे, फिर भी कोई सुनवाई नहीं

इस जर्जर सड़क पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। दोपहिया वाहन चालक सबसे ज्यादा प्रभावित हैं, वहीं चारपहिया वाहनों के टायर, सस्पेंशन और पार्ट्स रोज़ टूट रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क इतनी खराब है कि एम्बुलेंस और मरीजों को अस्पताल तक समय पर पहुंचना मुश्किल हो जाता है, जिससे कई बार हालात और भी गंभीर हो जाते हैं।

जब सड़क नहीं, तो टोल क्यों?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सड़क चलने लायक नहीं है, तो टोल किस बात का वसूला जा रहा है? ग्रामीणों और वाहन चालकों का सीधा सवाल है–

'क्या टोल केवल वसूली के लिए है?

क्या आम जनता की जान की कोई कीमत नहीं? 'लोगों का आरोप है कि सरकार झूठे वादों और कागजी घोषणाओं तक सीमित रह गई है। सड़क मरम्मत को लेकर कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

ग्रामीणों का आक्रोश, सरकार से जवाब की मांग

इस मार्ग से जुड़े सैकड़ों गांवों के लोग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह सड़क विकास का नहीं, बल्कि मौत का रास्ता बन चुकी है।

ग्रामीणों ने सरकार से मांग की है कि

तत्काल सड़क की पूर्ण मरम्मत या पुनर्निर्माण किया जाए। जब तक सड़क ठीक न हो, टोल वसूली बंद की जाए। जिम्मेदार अधिकारियों और निर्माण एजेंसी पर जवाबदेही तय की जाए

अब बड़ा सवाल यही है

क्या सरकार किसी बड़े हादसे का इंतज़ार कर रही है? या फिर इस खबर के बाद प्रशासन की नींद टूटेगी?

गैंगस्टर्स, हार्डकोर अपराधियों पर लगे प्रभावी अंकुश, नशे के कारोबार में लिप्त गिरोहों के विरूद्ध हो सख्त एक्शन, चलाएं विशेष अभियान : मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा

● राजस्थान दर्शन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि नशे के कारोबार में लिप्त गिरोहों के विरूद्ध सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने पुलिस और प्रशासन को प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में विशेष अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। साथ ही, उन्होंने गैंगस्टर्स और हार्डकोर अपराधियों के विरूद्ध कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई करते हुए प्रभावी अंकुश लगाने के विशेष दिशा-निर्देश दिए। श्री शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर गृह विभाग की उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि नशे की समस्या के उन्मूलन के लिए इससे जुड़ी आपूर्ति श्रृंखला के रूट का चिन्हिकरण करते हुए विशेष निगरानी रखी जाए। साथ ही, सीमावर्ती क्षेत्रों में भी कड़ी निगरानी और सतर्कता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार से जुड़े संगठित गिरोहों के नेटवर्क को तोड़ने के लिए विशेष कार्ययोजना के तहत कार्रवाई की जाए तथा छोटे-बड़े सभी नेटवर्क को ध्वस्त किया जाए। इसके लिए पुलिस, ड्रग्स कंट्रोलर, स्वास्थ्य विभाग और अन्य एजेंसियां समन्वित प्रयास करें। साथ ही, उन्होंने नशे के प्रकरणों में गिरफ्तार व्यक्तियों के विरूद्ध प्रभावी कानूनी पैरवी के संबंध में निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा अपराध की जड़ है तथा समाज व परिवारों पर इसके दूरगामी दुष्प्रभाव होते हैं। इसलिए नशे के दुष्परिणामों के संबंध में विद्यालयों और महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस सामाजिक क्षेत्र की संस्थाओं के साथ जुड़कर पॉक्सो एक्ट एवं अन्य कानूनों के संबंध में आमजन को जागरूक करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि साइबर अपराध के विरूद्ध प्राथमिकता के साथ कार्रवाई होनी चाहिए। जिन क्षेत्रों में साइबर अपराध की घटनाएं घटित हो रही है, वहां इनसे जुड़े गिरोहों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जाए। ये अभियान तब तक चले, जब तक संबंधित क्षेत्र में ऐसे अपराध जड़ से समाप्त नहीं हो जाए। श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से पिछले दो वर्षों में अपराधों में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने कहा कि अपराधियों के विरूद्ध कार्रवाई की प्रगति की प्रत्येक 10 दिन के अंतराल पर मॉनिटरिंग की जाए। इन मामलों में कोताही बरतने पर जिम्मेदारी तय की जाए। श्री शर्मा ने कहा कि डिजिटल युग में अपराध भी हाईटेक होने लगे हैं। ऐसे में पुलिस भी अपराधियों के विरूद्ध कार्रवाई में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए मॉडर्न पुलिसिंग को अपनाएं। बैठक में मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, विभिन्न जिलों से पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक वीसी के माध्यम से जुड़े।

उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय पर नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति जयपुर की छमाही बैठक का आयोजन

● राजस्थान दर्शन

जयपुर। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय-2) जयपुर की छमाही बैठक का आयोजन मंगलवार को 16.00 बजे अमिताभ, महाप्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे एवं अध्यक्ष नराकास की अध्यक्षता में प्रधान कार्यालय, उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के संकल्प सभाकक्ष में किया गया। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार बैठक का शुभारंभ समिति सदस्यों के औपचारिक स्वागत एवं परिचय में हुआ। सर्वप्रथम वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी थी शिवेन्द्र मोहन द्वारा अध्यक्ष महोदय का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। महाप्रबंधक एवं समिति अध्यक्ष अमिताभ ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि उत्तर पश्चिम रेलवे का अधिकांश क्षेत्र राजभाषा नियमों के अंतर्गत क क्षेत्र में आता है अतः राजभाषा हिंदी में कार्य करना हमारा संवैधानिक एवं नैतिक दायित्व है। उन्होंने सभी अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे स्वयं अधिकाधिक हिंदी में कार्य करें, जिससे अधीनस्थ कर्मचारी भी हिंदी में कार्य करने हेतु प्रेरित हों। उन्होंने राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निरंतर एवं समन्वित प्रयास करने पर बल दिया। मुख्य राजभाषा अधिकारी ने अपने स्वागत संबोधन में नराकास के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए

सभी सदस्य कार्यालयों से भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुरूप हिंदी के प्रयोग को और अधिक बनाने का आहवान किया। बैठक में दिसंबर 2025 समाप्तमाही में इस कार्यालय द्वारा किए गए राजभाषा हिंदी के प्रयोग एवं प्रचार की समीक्षा की गई तथा विभिन्न मदों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग की बढ़ाने पर बल दिया गया। अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दैनिक सरकारी कामों में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करे तथा अपने अधीनस्थों की भी समय-समय पर आवश्यक दिशा-निर्देश दें। इस अवसर पर महाप्रबंधक द्वारा नराकास स्तर पर प्रकाशित हिंदी पत्रिका 'दर्पण' के विशेषांक का विमोचन किया गया। अध्यक्ष ने सदस्य कार्यालयों में राजभाषा संबंधी अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एक प्रतिवद्धता के साथ करने का आहवान किया। बैठक में कार्यसूची पर मदवार चर्चा की गई तथा समिति सदस्यों में राजभाषा संबंधी सुझाव आमंत्रित किए गए। प्राप्त सुझावों एवं अध्यक्ष महोदय द्वारा दिए गए निर्देशों पर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। बैठक में केन्द्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अंत में उप मुख्य राजभाषा अधिकारी कपिल सिंघल द्वारा अध्यक्ष तथा समिति सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

अभिभाषक संघ की हड़ताल को लेकर प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली से मिले केके सैनी

● राजस्थान दर्शन

उदयपुरवाटी। कस्बे में पिछले कई दिनों से चल रही अभिभाषक संघ की हड़ताल को ध्यान में रखते हुए अरावली चेतना संस्थान सेवा समिति के संयोजक के के सैनिक ने राजस्थान विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली को ज्ञापन देकर अवगत करवाया है कि इस मामले को विधानसभा में उठाएं व टीकाराम जूली आश्वासन दिया और कहा की जरूर इस मुद्दे को विधानसभा में उठाया जाएगा और सरकार का ध्यान आकर्षित करने का विश्वास दिलाया व इस दौरान लक्ष्मण चौधरी, भवानी सिंह, एडवोकेट रामनिवास ,विक्रम सिंह व अन्य लोग मौजूद रहे।

कीरपुरा निवासी सुरेश कश्यप बने सरदार शहर विधान सभा प्रवासी प्रभारी

उदयपुरवाटी। आगामी पंचायतीराज चुनावों के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी ने संगठन मजबूती की ओर उन्मुख होते हुए युवा कार्यकर्त्ताओं को बड़ी जिम्मेदारी प्रदान की है। इसी कड़ी में कीरपुरा निवासी सुरेश कश्यप को सरदार शहर विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रवासी प्रभारी नियुक्त किया है। यह नियुक्ति भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की ओर से की गई है। सुरेश कश्यप को पंचायत चुनाव के लिए प्रवासी प्रभारी का दायित्व सौंपे जाने पर स्थानीय कार्यकर्त्ताओं में उत्साह एवं खुशी की लहर है। कश्यप को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

चादर जुलूस, जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी और कव्वाली से सजेगी रूहानी महफिल

सूफी संत बाबा हैदर अली का 142वां सालाना उर्स कल से

● राजस्थान दर्शन

कुचामनसिटी। लुहारिया मोहल्ले स्थित आस्ताना हजरत सैयद हैदर अली 'बड़वाले बाबा' की दरगाह पर 142वें सालाना उर्स का भव्य आयोजन 5 फरवरी 2026 से शुरू होकर 7 फरवरी तक चलेगा। मुख्य सेवक मईनुद्दीन बेहलीम ने बताया कि बाबा हैदर अली दरगाह कमेटी की ओर से उर्स को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और ज़ायरीन की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। दरगाह कमेटी के प्रवक्ता अयूब शेख ने बताया कि उर्स की औपचारिक शुरुआत से पहले मंगलवार को परंपरागत झंडारोहण की रस्म अदा की गई। इसके बाद 5 फरवरी गुरुवार सुबह 10 बजे दरगाह परिसर में कुरान ख्वानी के साथ उर्स का विधिवत आगाज होगा। सचिव मुमताज जिन्दरान और अनवर शेख ने बताया कि 5 फरवरी की शाम 5 बजे लुहारिया मोहल्ले के वाशिंदों की ओर से भव्य चादर जुलूस निकाला जाएगा, जो दरगाह पहुंचकर मजार पर चादरपोशी के साथ संपन्न होगा। कमेटी के सचिव मुमताज जिन्दरान और अनवर शेख ने जानकारी दी कि इसी दिन रात ईशा की नमाज के बाद दरगाह परिसर में जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान अजमेर शरीफ से आए आलिम-ए-दीन मौलाना मुकर्रब अशरफ मुख्य वक्ता के रूप में तकरीर पेश करेंगे, वहीं क्षेत्र के अन्य इस्लामिक विद्वान भी अपने विचार रखेंगे। दरगाह कमेटी के खजांची मोहम्मद हुसैन गौरी और मईनुद्दीन बेहलीम ने बताया कि उर्स के दूसरे दिन 6 फरवरी शुक्रवार शाम 4 बजे अजमेर शरीफ की ओर से चादर जुलूस निकाला जाएगा। यह जुलूस मिर्जा मस्जिद पलटन गेट से रवाना होकर गोल प्याऊ, बस स्टैंड, लुहारिया मोहल्ला होते हुए दरगाह पहुंचेगा। इसी दिन जुमे की नमाज के बाद विशेष दुआओं का आयोजन किया जाएगा। कमेटी के व्यवस्थापक मो. सलीम गौरी ने बताया कि 6 फरवरी की रात ईशा की नमाज के बाद महफिल-ए-समा (कव्वाली) का भव्य आयोजन होगा, जिसमें प्रदेश के नामचीन कव्वाल अपनी रूहानी कव्वालियों से महफिल को सजाएंगे। उन्होंने बताया कि ज़ायरीन की सुविधा के लिए बैठने की व्यवस्था, रोशनी, साउंड सिस्टम और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। दरगाह कमेटी के प्रवक्ता पत्रकार अयूब शेख ने बताया कि उर्स के अंतिम दिन 7 फरवरी शनिवार को कुल की रस्म अदा की जाएगी। इसके साथ ही तीन दिवसीय उर्स का समापन होगा। इस दिन सुबह से ही ज़ियारत, फातिहा और लंगर-ए-आम का सिलसिला जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि आयोजन समिति उर्स को सफल बनाने में पूरी सक्रियता के साथ जुटी हुई है।

बजीरपुर नगर पालिका की बदहाली को लेकर आम जनता का फूटा गुस्सा, कई गंभीर मुद्दों पर सौंपा ज्ञापन

● राजस्थान दर्शन

बजीरपुर। नगर पालिका बजीरपुर को बने हुए तीन वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन आज भी नगर के हालात जस के तस बने हुए हैं। मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी और प्रशासनिक लापरवाही से परेशान आम जनता ने उपखंड अधिकारी कार्यालय करौली में ज्ञापन सौंपकर नगर की ज्वलंत समस्याओं के समाधान की मांग की है। ज्ञापन में आमजन ने स्पष्ट रूप से बताया कि नगर पालिका बनने के बाद भी न तो विकास कार्य धरातल पर दिखाई दे रहे हैं और न ही आम जनता को किसी प्रकार की राहत मिल पाई है। हालात यह हैं कि अब तक किसी भी नागरिक के पट्टे नहीं बनाए गए, नगर पालिका कार्यालय में नियमित रूप से बाबू तक नहीं बैठते, जिससे लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए भी चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। अस्पताल में गंदगी, मरीज हो रहे परेशान ज्ञापन में सरकारी अस्पताल की बदहाल स्थिति पर भी गंभीर चिंता जताई गई। बताया गया कि अस्पताल परिसर में गंदगी का अंबार लगा हुआ है, नियमित सफाई नहीं हो रही है, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

गंदगी के कारण संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। सड़कों पर रोज़ जाम, बाइपास की सख्त जरूरत नगर क्षेत्र से गुजरने वाली मुख्य सड़क पर रोजाना भीषण जाम की स्थिति बनी रहती है। भारी वाहनों और तेज रफ्तार ट्रैफिक के कारण आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। जनता ने प्रशासन से बजीरपुर बाइपास का निर्माण शीघ्र कराने की मांग की है, ताकि नगरवासियों को जाम और हादसों से राहत मिल सके। स्ट्रीट लाइट, सड़क और नालियों की स्थिति दयनीय ज्ञापन में बताया गया कि नगर की कई कॉलोनियों में आज भी स्ट्रीट लाइटें नहीं लगी हैं। धार्मिक स्थलों, श्मशान घाट, कब्रिस्तान और प्रमुख चौराहों पर अंधेरा छाया रहता है। इसके साथ ही कई इलाकों में सड़कें टूटी हुई हैं, नालियां गंदगी से भरी पड़ी हैं और कई नालियां क्षतिग्रस्त अवस्था में हैं, जिससे बरसात के समय जलभराव की गंभीर समस्या खड़ी हो जाती है। पेयजल व्यवस्था भी बदहाल कई कॉलोनियों में आज तक पेयजल पाइपलाइन नहीं बिछाई गई है, वहीं जहां पाइपलाइन मौजूद है, वहां कई जगह पाइप टूटे हुए हैं, जिससे पानी की भारी बर्बादी हो रही है और लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा। समय पर समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि इन सभी समस्याओं का निर्धारित समय सीमा में समाधान नहीं किया गया, तो वे मजबूर होकर उपखंड कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन और आंदोलन करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपते समय बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि यदि नगर पालिका को बने तीन साल बाद भी हालात नहीं सुधरे, तो यह सीधे तौर पर प्रशासनिक विफलता को दर्शाता है। मोहसिन खान सामाजिक कार्यकर्ता के द्वारा शहर वासियों ने ज्ञापन सोपा

संक्षिप्त-समाचार

संभागीय आयुक्त 17 व 18 फरवरी को जिलास्तरीय अधिकारियों के साथ करेंगी समीक्षा बैठक

● राजस्थान दर्शन

करौली। राज्य सरकार के निर्देशानुसार संभागीय आयुक्त नलिनी कठोतिया 17 फरवरी को प्रातः 11 बजे से जिला स्तरीय समीक्षा बैठक करेंगी, इसके पश्चात जिला रसद अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण करेंगी। 18 फरवरी को करौली में विकास एवं विभागीय कार्यों का निरीक्षण करेंगी तथा कार्यालय उपखंड अधिकारी नादौती का निरीक्षण भी करेंगी। उन्होंने समस्त जिलास्तरीय अधिकारियों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बैठक उपस्थित रहने के निर्देश दिए।

05 मार्च तक की जावेगी फसल रबी की गिरदावरी

● राजस्थान दर्शन

करौली। जिला नोडल अधिकारी डिजिटल क्रॉप सर्वे प्रेमराज मीना ने बताया कि डिजिटल कॉप सर्वे के अन्तर्गत फसल रबी सम्वत 2082 की गिरदावरी 1 जनवरी 2026 से प्रारम्भ हो चुकी है जो 05 मार्च 2026 तक की जावेगी। अब किसान स्वयं राज किसान गिरदावरी ऐप के माध्यम से अपनी फसल की गिरदावरी कर सकता है। राज किसान गिरदावरी ऐप को गुगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर जनाधार, मोबाइल नम्बर के माध्यम से लॉगिन किया जा सकता है। यह मोबाईल ऐप किसानों को अपने खेत, खसरे में बोई गई फसल की जानकारी ऑनलाईन दर्ज करने की सुविधा देता है। किसान द्वारा स्वयं गिरदावरी किये जाने से कई लाभ है जैसे- किसान को गिरदावरी के लिए पटवारी पर निर्भर नहीं रहना पडेगा। सही और भरोसेमंद डेटा दर्ज हो सकेगा। फसल बीमा, एमएसपी और बैंक लोन जैसी योजनाओं में सही जानकारी का उपयोग हो सकेगा। खेत और फसल की पूरी जानकारी किसान के हाथ में रहेगी। कृषि मंडी में समर्थन मूल्य पर फसल बेचने, बैंक से किसान केडिट कार्ड ऋण लेने, फसल बीमा का क्लेम लेने में आसानी रहेगी।

फरवरी में होने वाली ग्राम पंचायत व ब्लॉक स्तर स्तरीय जनसुनवाई स्थगित

● राजस्थान दर्शन

करौली। अतिरिक्त जिला कलक्टर हेमराज परिडवाल ने माह फरवरी 2026 में होने वाली त्रि-स्तरीय जनसुवाईयों के संबंध में निर्देशित करते हुए बताया कि निर्वाचन नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 14 फरवरी 2026 तक प्रगतिरत होने से अधिकारीयों एवं कर्मचारियों की व्यस्तता को दृष्टिगत रखते हुए माह फरवरी 2026 में आयोजित होने वाली प्रथम गुरुवार (05 फरवरी 2026) को ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई एवं द्वितीय गुरूवार (12 फरवरी 2026) को ब्लॉक स्तर पर होने वाली अटल जन सेवा शिविर को स्थगित किया जाता है। एवं तृतीय गुरूवार (19 फरवरी 2026) को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन यथावत रखा जावेगा। उन्होंने जिले के समस्त जिला स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण को निर्देश दिये है कि वे जिला स्तरीय जनसुनवाई भागीदारी सुनिश्चित करेंगें।

काशीनगर-शिवनगर को बोरावड़ नगर पालिका में शामिल करने की मांग तेज, विधानसभा से सड़क तक उठा मुद्दा

● राजस्थान दर्शन

मकराना। काशीनगर और शिवनगर को बोरावड़ नगर पालिका में शामिल करने की मांग अब एक बड़ा रूप ले चुकी है। इस मुद्दे को लेकर मंगलवार को राजस्थान विधानसभा में मकराना विधायक जाकिर हुसैन गैसावत ने प्रक्रिया नियम 295 के तहत सरकार का ध्यान आकर्षित किया, वहीं दूसरी ओर क्षेत्र में ग्रामीणों का धरना-प्रदर्शन लगातार जारी है। विधायक गैसावत ने सदन में कहा कि काशीनगर और शिवनगर को नगर पालिका की बजाय ग्राम पंचायतों में शामिल करने का निर्णय नियमों के विरुद्ध और जनभावनाओं के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारियों द्वारा तथ्यों को दरकिनार कर मनमानी रिपोर्ट तैयार की गई, जिसके आधार पर यह फैसला लिया गया। विधायक ने दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और गलत रिपोर्ट को तत्काल निरस्त करने की मांग की। इधर, काशीनगर और शिवनगर के नागरिक लंबे समय से धरने पर बैठकर प्रशासन के फैसले का विरोध कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि नगर पालिका से बाहर रखने के कारण उन्हें बुनियादी सुविधाओं, विकास कार्यों और शहरी योजनाओं से वंचित किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र का भविष्य प्रभावित हो रहा है। विधानसभा में मुद्दा उठने और ज़मीनी स्तर पर जारी आंदोलन के चलते सरकार पर दबाव बढ़ता नजर आ रहा है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि सरकार जनहित को प्राथमिकता देते हुए काशीनगर और शिवनगर को बोरावड़ नगर पालिका में शामिल करने का निर्णय जल्द लेगी।

अभिनेत्री साक्षी तंवर ने किया लोहार्गल धाम में भगवान सूर्य नारायण के दर्शन

● राजस्थान दर्शन

उदयपुरवाटी। निकटवर्ती धार्मिक तीर्थ स्थल लोहार्गल धाम में बॉलीवुड अभिनेत्री साक्षी तंवर ने शेखावाटी के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल लोहार्गल धाम पहुंच कर भगवान सूर्य देव के दर्शन कर भगवान सूर्य नारायण के दरबार में मत्था टेका। लोहार्गल धाम के पीठाधीश्वर जगतगुरु श्री रामानुजाचार्य महंत स्वामी अवधेशाचार्य महाराज से आशीर्वाद लिया। रेस्टोरेंट महंत अवधेशाचार्य महाराज ने बॉलीवुड अभिनेत्री साक्षी तंवर का सोल एवं दुपट्टा उड़कर सम्मान कर आशिर्वाद प्रदान किया। गत दिनों से मंडावा, चिराना एवं लोहार्गल में शूटिंग के दौरान घुंघट फिल्म को लेकर कई कलाकार लोहार्गल आए हुए हैं। इस दौरान साक्षी तंवर ने बताया कि लोहार्गल धाम एक पौराणिक तीर्थ स्थल है यहां सूर्य भगवान के दर्शन कर सूर्य कुंड में जल का स्पर्श कर मन प्रसन्न हो गया। भगवान सूर्य नारायण से मैंने मनोकामना की है कि मेरी मनोकामना पूर्ण होने पर मैं पुनः यहां पर आऊंगी ऐसा रमणीय तीर्थ स्थल जहां सूर्य भगवान सपत्नीक विराजमान है मेरा जीवन यहां आने से धन्य हो गया।

जिला कलक्टर टीना डाबी ने किया रीको थाने का निरीक्षण

राजस्थान दर्शन

बाड़मेर। जिला कलक्टर टीना डाबी ने मंगलवार को बाड़मेर स्थित रीको थाने का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर, अभिलेखों, शिकायत पंजिका, मालखाना, सीसीटीवी व्यवस्था तथा साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लिया। जिला कलक्टर ने थाने में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी मामलों का समयबद्ध एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आमजन की शिकायतों को गंभीरता से सुनने, त्वरित कार्रवाई करने तथा पीड़ितों को न्याय दिलाने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान कानून-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था तथा औद्योगिक क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। जिला कलक्टर ने अधिकारियों की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए आवश्यक सुधारात्मक निर्देश भी दिए। थानाधिकारी भंवरसिंह सहित थाना स्टाफ उपस्थित थे।

एनएसयूआई बाड़मेर को मिला नया जिला महासचिव

हुजेफ़ा खान को सौंपी गई अहम जिम्मेदारी

राजस्थान दर्शन

बाड़मेर। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के संगठनात्मक विस्तार को मजबूती देते हुए पांधी का पार निवासी हुजेफ़ा खान को एनएसयूआई बाड़मेर का जिला महासचिव नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संगठन के प्रदेश नेतृत्व की सहमति से की गई है। नवनियुक्त जिला महासचिव हुजेफ़ा खान ने इस अवसर पर एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़, जिला अध्यक्ष भूपेन्द्र राजबेरा एवं प्रदेश सचिव प्रवीणराज मेघवाल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, उसे वे पूरी ईमानदारी, निष्ठा और सक्रियता के साथ निभाएंगे। हुजेफ़ा खान ने बताया कि वे छात्रों से जुड़ी शिक्षा, रोजगार एवं अधिकारों की समस्याओं को मजबूती से उठाते हुए एनएसयूआई की विचारधारा को गांव-गांव व ढाणी-ढाणी तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। इस नियुक्ति पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं एवं कांग्रेसजनों में हर्ष का माहौल है। कार्यकर्ताओं ने हुजेफ़ा खान को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की उम्मीद जताई

भिक्षु बोधि स्थल ने मनाया 64वां स्थापना दिवस

मुनिवृंद का किया भाव भीना अभिनंदन

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। शासनश्री मुनि सुरेश कुमार आदि मुनि वृंद के पदार्पण पर स्वागत व भिक्षु बोधि स्थल के 64वें स्थापना दिवस का कार्यक्रम भिक्षु बोधि स्थल प्रांगण में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुनि संबोध कुमार मेधांश ने कहा कि संत और बसंत के आने से वातावरण मुस्कुरा उठता है। इक्कीसवीं सदी में हमने भिक्षु बोधि स्थल में दो चातुर्मास किए है। उनकी अविस्मरणीय स्मृतियां अब तक इस धरती के कण-कण में जीवंत है। उन्होंने कहा कि यह आचार्य भिक्षु त्रिशताब्दी वर्ष व आचार्य तुलसी दीक्षा शताब्दी वर्ष है। राजनगर इस वर्ष कुछ बड़ा सोचे, सिरियारी-केलवा की तरह ऐतिहासिक राजनगर की इस मुनि को देखने का आकर्षण भावी पीढ़ी की चेतना में जन्म ले। इस ओर सार्थक पुरुषार्थ हो। उस जगह अपना श्रम और अपनी शक्ति खर्च ना करे, जहां निवेश के बाद कोई आउटपुट ना मिले। मुनि विशाल कुमार ने कहा कि भिक्षु बोधि स्थल आना मेरे लिए आकर्षण का केंद्र है। यहां आचार्य भिक्षु की साधना के परमाणु है। यहां पॉजिटिव वाइब्स मिलते है। भिक्षु बोधि स्थल का स्थापना दिवस यहां के हर सदस्य में आचार्य भिक्षु के प्रति अनंत श्रद्धा को आकृति दे यही मन की मंगलकामना है। भिक्षु बोधि स्थल अध्यक्ष हर्षलाल नवलखा व मंत्री सागर मल कावडिया, अणुव्रत समिति से रमेश मांडोत, तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्षा व अभातेमम सदस्या ऋतु धोका ने भाव पूर्ण विचारों से मुनिवृंद का अभिनंदन किया। इस दौरान ऋतु जैन, कल्पना बडोला, सीमा बडोला ने सुमधुर गीत संगान से मंगल आगाज किया।

जन आकांक्षाओं का प्रतिबिंब होगा यह सत्र : माहेश्वरी

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने राजस्थान विधानसभा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित भाजपा विधायक दल की बैठक में सहभागी की। बैठक के दौरान विधायक ने कहा कि यह सत्र जन आकांक्षाओं का प्रतिबिंब होगा, जिससे प्रदेश के विकास को नई गति मिलेगी। बैठक के दौरान जनकल्याण, सुशासन और प्रदेश के सर्वांगीण विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर गहन एवं सार्थक विचार-विमर्श किया गया। साथ ही आगामी लोक-कल्याणकारी बजट 2026-27, विभिन्न विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा कर प्रदेश को विकास की नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए स्पष्ट और दूरदर्शी दिशा तय की गई। विधायक ने कहा कि हमारा लक्ष्य राजस्थान की जनता के अंतिम पायदान तक के व्यक्ति को लाभ देना है। बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा नए बजट में विधायकों की राय-मशविरा के आधार पर ऐतिहासिक बजट बनाने पर सरकार का आभार व्यक्त किया। वर्ष 2026-27 का आगामी बजट आपणो अग्रणी-विकसित राजस्थान के संकल्प की सिद्धि करने वाला होगा। राज्य बजट को समावेशी, सर्वस्पर्शी और जनाकांक्षाओं के अनुरूप बनाने के लिए अब तक लगभग 25 हजार सुझाव प्राप्त हो चुके हैं

विधायक आक्या ने सदन में राज्यपाल के अभिभाषण पर रखी अपनी बात

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ। चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने मंगलवार को विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण का समर्थन पर बोलते हुए वर्तमान भजनलाल शर्मा सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल को बेहद सफल बताया। विधायक आक्या ने सदन में राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलते हुए कहा की राजस्थान की डबल इंजन सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल में इतना विकास हुआ है जितना गत कांग्रेस सरकार के 5 वर्ष में नही हुआ था। उन्होंने कहा कि सेठ सांवरियाजी की कृपा से इस बार बेहद अच्छी बारीश हुई है जिससे किसानो के चेहरे खिले हुए है, उपर से राज्य सरकार द्वारा किसानो को दिन में बिजली उपलब्ध कराने से किसानो में हर्ष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि भजनलाल सरकार ने वर्तमान कालखण्ड में सेवा, सुशासन और समर्पण का नया अध्याय जोड़ा है। विकसीत राजस्थान व 2047 के विजन को देखकर योजनाएं बनाई जा रही है व कार्य हो रहे है। सबका साथ, सबका विकास नेति से चलते हुए सरकार ने आमजन का विश्वास हासिल किया है। गत कांग्रेस सरकार में युवाओ के साथ खिलवाड़ हुआ था तथा 19 बार प्रतियोगी परिक्षाओ के पेपर लिक हुए थे लेकिन वर्तमान सरकार पर युवाओ को भरोसा हुआ है। इन दो वर्षो में एक लाख से अधिक भर्तियां हो चुकी है तथा आने वाले समय में बहुत रोजगार के अवसर उपलब्ध होगे। खेलो इण्डिया व युवा खेल महोत्सव के तहत खेलो के प्रति बच्चो को प्रेरित किया जा रहा है। विधायक आक्या ने सदन में कहा की इस सरकार के कार्यकाल में ही यमुना का पानी राजस्थान को मिलने लगेगा। उन्होने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नरेगा का नाम बदलकर विकसित भारत जी राम जी करने की सराहना करते हुए कहा की नरेगा में बहुत से कार्य धरातल पर नही आ सके थे लेकिन जी राम जी में लोगो को 125 दिनो का काम तो मिलेगा ही साथ ही पक्के कार्य भी हो सकेंगे। उन्होने कहा गत भाजपा की वसुंधरा सरकार के समय किसानो के 2 लाख तक के कर्ज माफ हुए थे, इसके बाद गहलोत सरकार द्वारा किसानो के कर्ज माफी की घोषणा की लेकिन आज भी भार कॉपरेटिव बैंक के उपर है। उन्होने कहा की खाद्य सुरक्षा योजना में अनेक नए नाम जोड़े गए है तथा गरीबो को खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ मिलने लगा है। सहकारिता में 9 लाख नए सदस्य बनाये गये है। विधायक आक्या ने सदन में बोलते हुए कहा की गत वसुंधरा राजे सरकार के समय तृतीय श्रेणी शिक्षको के स्थानांतरण हुए थे, सरकार को तृतीय श्रेणी शिक्षको की लम्बे समय से जायज मांग को पुरा करना चाहिए। उन्होने कहा कि गत कांग्रेस सरकार ने रोडवेज का बट्टा बिठाया था जिससे विभाग के पेंशनर्स को पेंशन नही मिल पा रही है। उन्होने कहा की गत 1 फरवरी को ओलावृष्टि से विधानसभा क्षैत्र के अनेक ग्रामो में अफीम व गेंहु की खड़ी फसल व सरसो की कटी फसल को बहुत नुकसान हुआ है, उन्होने सरकार से जल्द गिरदावरी करा किसानो को मुआवजा दिलाने की मांग की। विधायक आक्या ने सदन में कहा की चित्तौडगढ़ जिले में बिरला सिमेंट, वंडर सिमेंट, हिन्दुस्तान जिंक सहित अनेक इंडस्ट्रीज है उनमें स्थानीय युवाओ को रोजगार उपलब्ध नही कराया जा रहा है। इन इंडस्ट्रीज से निकलने वाले प्रदुषण को स्थानीय निवासी झेलता है लेकिन रोजगार बाहर वालो को मिलता है। उन्होने सरकार से स्थानीय युवाओ को रोजगार देने का कानुन बनाने की मांग की।

लोकसभा में गूंजी एनएच -89 को फोरलेन करने की मांग

सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने मजबूती से रखा राजसमंद और मारवाड़ की प्रगति का पक्ष

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। राजसमंद सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने देश की सबसे बड़ी पंचायत यानी लोकसभा में क्षेत्र की कनेक्टिविटी और जनसुरक्षा से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया है। नियम 377 के तहत सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए सांसद ने राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 89 जो अजमेर से नागौर वाया मेड़ता को जोड़ता है, उसे अविलंब फोरलेन में क्रमोन्नत करने की पुरजोर मांग रखी। उन्होंने तकनीकी तथ्यों और सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए केंद्र सरकार को बताया कि यह मार्ग अब केवल एक सड़क नहीं, बल्कि राजस्थान की औद्योगिक और धार्मिक प्रगति की जीवनरेखा बन चुका है। सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने सदन को अवगत कराया कि एनएच -89 पश्चिम और मध्य राजस्थान के बीच व्यापारिक और शैक्षणिक सेतु का काम करता है। लोक निर्माण विभाग और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा किए गए नवीनतम ट्रैफिक सर्वे के आंकड़ों को सदन के पटल पर रखते हुए उन्होंने बताया कि बाड़ी घाटी टोल प्लाजा पर प्रतिदिन लगभग 12,400 (पैसेंजर कार यूनिट) और बुरटी टोल प्लाजा पर 10,400 पीसीयू से अधिक का यातायात दर्ज किया गया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के निर्धारित मानकों के अनुसार जिस मार्ग पर यातायात का दबाव 10,000 पीसीयू की सीमा को पार कर जाता है, उसे प्राथमिकता के आधार पर फोरलेन में बदला जाना अनिवार्य होता है। अपनी बात को मजबूती से रखते हुए सांसद ने कहा कि वर्तमान में केवल दो लेन होने के कारण इस मार्ग पर पीक आवर्स के दौरान भारी जाम की स्थिति बनी रहती है। संकरे मार्ग पर बढ़ते दबाव की वजह से सड़क दुर्घटनाओं में भी चिंताजनक वृद्धि हुई है, जिससे जनहानि का खतरा बना रहता है। इसके अतिरिक्त, यात्रा समय और परिवहन लागत में बढ़ोतरी होने से स्थानीय व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक गतिविधियों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। मेवाड़ ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि जनहित और क्षेत्र के समग्र विकास को दृष्टिगत रखते हुए एनएच -89 के सुदृढ़ीकरण और चौड़ीकरण के कार्य को शीघ्र स्वीकृति प्रदान की जाए। उन्होंने विश्वास जताया कि इस मार्ग के फोरलेन होने से न केवल आमजन को सुरक्षित और सुगम यात्रा की सुविधा मिलेगी, बल्कि नागौर और अजमेर क्षेत्र के बीच आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति प्राप्त होगी।

सीएमएचओ ने राज्यावास में पीएचसी भवन के लिए देखी भूमि

उपस्वास्थ्य केन्द्र भवन में संचालित पीएचसी का किया निरीक्षण

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। जिले के राज्यावास में स्वीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन के लिए आवंटित जमीन को मौके पर जाकर सीएमएचओ डॉ हेमंत कुमार बिन्दल ने देखा। उन्होने ग्रामीणो को बताया कि पीएचसी भवन निर्माण के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है, शीघ्र ही सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा कार्य शुरू किया जायेगा। उन्होंने उपस्वास्थ्य केन्द्र में संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र राज्यावास का निरीक्षण कर वहां दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन किया तथा गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम, लाडो प्रोत्साहन योजना, टीबी मुक्त भारत अभियान जैसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य कार्यक्रमो की समीक्षा तथा शत प्रतिशत ग्रामीणो की आभा आईडी बनाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणो को आश्वस्त किया कि शीघ्र ही नवीन भवन का कार्य शुरू हो जाएगा। स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान के तहत जिले में संचालित कुष्ठ रोगी सर्वे अभियान जो स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं आशा द्वारा किया जा रहा है। सर्वे निरीक्षण के लिए डिप्टी सीएमएचओ हेल्थ डॉ राजकुमार खोलिया एवं एपिडिमियोलोजिस्ट हरिश कुमार ने ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्र में भ्रमण कर सर्वे कार्य की गुणवत्ता का अवलोकन किया। उन्होने मोही, राज्यावास व कुंवारिया में भ्रमण कर पॉजिटिव रोगियो से सम्पर्क किया तथा आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाई और उपचार का फिडबैक लिया। डॉ खोलिया ने बताया कि अभियान 13 फरवरी तक संचालित होगा, जिसके तहत सर्वे कार्य के साथ ही ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समितियों के माध्यम से आमजन को कुष्ठ रोग को लेकर भ्रांतियों के निवारण, जांच व उपचार की जानकारी दी जाएगी।

श्रीनाथजी मंदिर की नगर विकास और मंदिर दर्शन व्यवस्था समिति की बैठक सपंन्न

युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति और कचरा संग्रह केंद्र अन्यत्र स्थानांतरित करने के आए सुझाव

राजस्थान दर्शन

नाथद्वारा। श्रीजी नगरी की सुलभ दर्शन व्यवस्था, सर्वांगीण विकास और सामाजिक सरोकारों को मजबूती देने के उद्देश्य से नगर विकास एवं मंदिर दर्शन व्यवस्था समिति की बैठक तिलकायत पुत्र विशाल बावा के सानिध्य में हुई। बैठक में नगर के बुनियादी ढांचे में सुधार के साथ-साथ सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार करने का संकल्प लिया गया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे विशाल बावा की उपस्थिति में नगर के प्रबुद्धजनों ने शहर की वर्तमान स्थिति और भविष्य की योजनाओं पर गहराई से चर्चा की। बैठक के दौरान सबसे गंभीर मुद्दा युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति का रहा। इस पर चिंता व्यक्त करते हुए डॉ राजेंद्र शर्मा और डॉ बीएल जाट ने बताया कि किस तरह नशा न केवल युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेल रहा है, बल्कि उन्हें कैंसर जैसी घातक बीमारियों का शिकार भी बना रहा है। वक्ताओं ने समाज को आगाह करते हुए कहा कि नशामुक्ति के लिए अब केवल चर्चा नहीं बल्कि प्रभावी धरातलीय अभियान की आवश्यकता है। उन्होंने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और नियमित जांच शिविर आयोजित करने की अनिवार्यता पर विशेष जोर दिया। वहीं नगर की व्यवस्थाओं को लेकर विकास समिति सदस्य तुलसीदास सनाढ्य ने नगर की मूलभूत समस्याओं को पुरजोर तरीके से उठाया। उन्होंने विशेष रूप से मंदिर जाने वाले मार्गों की जर्जर स्थिति और स्वच्छता के अभाव पर क्षोभ प्रकट किया। सनाढ्य ने सुझाव दिया कि 100 फीट रोड पर होटल शगुन के बाहर स्थित कचरा संग्रह केंद्र को तुरंत प्रभाव से अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए। उन्होंने बताया कि इस स्थान पर गंदगी के कारण न केवल आनेजाने वाले श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं, बल्कि लावारिस पशुओं के जमावड़े से हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने एकजुट होकर नगर के विकास, सामाजिक चेतना और जनहित से जुड़े मुद्दों पर सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। विशाल बावा के मार्गदर्शन में समिति ने यह विश्वास दिलाया कि श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ, सुंदर और सुगम मार्ग सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। इस दौरान उपस्थित नागरिकों ने भी नगर के बेहतर भविष्य के लिए अपने सुझाव साझा किए।

श्रीजी धेनूधाम एवं पक्षी सेवा संस्थान की बैठक सम्पन्न

पक्षी व गौसेवा से जुड़े कार्यो की मौजूदा स्थिति, सुविधाओं और समस्याओं पर चर्चा

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। समीप के खेडाणा गांव में संचालित श्रीजी धेनूधाम एवं पक्षी सेवा संस्थान की मंगलवार को बैठक हुई। बैठक में गौ एवं पक्षी सेवा से जुड़े कार्यो की वर्तमान स्थिति, सुविधाओं की कमी के कारण सेवा कार्यो में हो रही दिक्कतों व सुविधाओं में विस्तार आदि पहलुओं पर चर्चा कर अग्रिम कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में संस्थान अध्यक्ष कन्हैया पालीवाल ने बताया कि संस्था से जुड़े कार्यकर्ता एवं स्थानीय ग्रामवासी मौजूदा सुविधाओं के उपयोग के साथ समर्पण व पूरी ऊर्जा से सेवा कार्यो में जुटे हुए है, लेकिन वर्तमान में उपलब्ध संसाधन नाकाफी होने के कारण सेवा कार्यो में काफी कठिनाईयां आ रही है। मुख्य रूप से एम्बुलेंस के अभाव में दुर्घटना में घायल व बीमार गौवंश व पक्षियों को लाने में काफी मुश्किलें आ रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में किराए पर लोडिंग ऑटो की व्यवस्था की हुई है, परंतु गौवंश के दुर्घटनाग्रस्त या गम्भिर बीमार होने की सूचना मिलने पर स्थिति विकट हो जाती है। सूचना के बाद किराए का ऑटो बुलाने व मौके पर पहुंचने में काफी देर हो जाती है तथा तत्काल उपचार नहीं मिलने पर कई बार गौवंश की मौत तक हो जाती है।

सब्जी उत्पादन से बदल रही किसानों की तकदीर : अगेती खेती और जैविक तकनीक से कमाएं तीन गुना मुनाफा

खेत की तैयारी और फसल सुरक्षा के मामले में अब प्राकृतिक और जैविक विधियों पर विशेष जोर : वर्मा

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। आधुनिक कृषि के इस दौर में सब्जियों की बढ़ती मांग ने किसानों के लिए समृद्धि के नए द्वार खोल दिए हैं। पारंपरिक फसलों के मोह से निकलकर अब किसान अगेती सब्जी उत्पादन की ओर कदम बढ़ा रहे हैं, जो न केवल कम समय और कम जमीन में तैयार होती है, बल्कि पारंपरिक खेती की तुलना में दो से तीन गुना अधिक मुनाफा देने की क्षमता रखती है। उद्यान विभाग के उप निदेशक कल्प वर्मा ने बताया कि फरवरी और मार्च का महीना सब्जी उत्पादकों के लिए सबसे उपयुक्त समय है। अक्सर देखा जाता है कि किसान फरवरी से जून के मध्य अपने खेतों को खाली छोड़ देते हैं, लेकिन इसी खाली समय का सदुपयोग कर अगेती सब्जियां उगाकर बाजार में उस समय फसल पहुंचाई जा सकती है जब कीमतें अपने उच्चतम स्तर पर होती हैं। सब्जी उत्पादन में सफलता का सबसे बड़ा सूत्र सही समय पर बुवाई और जैविक पद्धतियों का समन्वय है। इस समय किसान भाई अपने खेतों में पर्याप्त सिंचाई प्रबंध के साथ खीरा, खरबूजा, तरबूज, लौकी, करेला, कद्दू, तरोई, भिंडी और ग्वार जैसी फसलों की सीधी बुवाई कर सकते हैं। वहीं टमाटर, बैंगन और मिर्च जैसी फसलों के लिए आधुनिक तकनीक जैसे प्रोट्रे में कोकोपीट का उपयोग कर पौध तैयार करना अधिक लाभकारी रहता है। जब यह पौध 12 से 15 सेंटीमीटर की हो जाए, तब इसे तैयार खेतों में रोपा जाना चाहिए। अगेती बुवाई का सबसे बड़ा लाभ यह है कि चिलचिलाती गर्मी शुरू होने से पहले ही फसल कटाई के लिए तैयार हो जाती है, जिससे न केवल पौधों को शुरुआती विकास के लिए अनुकूल मौसम मिलता है बल्कि बाजार में प्रतिस्पर्धा कम होने से किसानों को ऊंचे दाम भी मिलते हैं। बीजोपचार से लेकर फसल की सुरक्षा तक केवल जैविक प्रबंधन को ही प्राथमिकता दें उप निदेशक कल्प वर्मा ने बताया कि खेत की तैयारी और फसल सुरक्षा के मामले में अब प्राकृतिक और जैविक विधियों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मिट्टी की उर्वरकता बनाए रखने के लिए भुरभुरी मिट्टी में अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद का प्रयोग करना चाहिए और उर्वरकों का इस्तेमाल मृदा परीक्षण की रिपोर्ट के आधार पर ही करना उचित रहता है। फसल को कीटों से बचाने के लिए भी अब देसी और प्राकृतिक नुस्खे कारगर साबित हो रहे हैं। जैसे खेत के चारों ओर हजारे (गेंदे) के फूल की पंक्तियां लगाने से फली छेदक कीटों का हमला स्वतः ही कम हो जाता है। साथ ही फल मक्खी के नियंत्रण के लिए मिथाइल यूजीनॉल गंध पाश जैसे आधुनिक और सुरक्षित तरीकों को अपनाना चाहिए। उप निदेशक कल्प वर्मा का कहना है कि स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता को देखते हुए किसानों को सलाह दी जा रही है कि वे बीजोपचार से लेकर फसल की सुरक्षा तक केवल जैविक प्रबंधन को ही प्राथमिकता दें। रासायनिक कीटनाशकों का उपयोग केवल अंतिम विकल्प के रूप में और विभागीय सिफारिशों के आधार पर ही किया जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उपभोक्ता के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए सब्जियों की तुड़ाई से कम से कम 10 से 15 दिन पहले किसी भी प्रकार के हानिकारक रसायन का छिड़काव पूरी तरह बंद कर देना चाहिए।

राजस्थान दर्शन स्पेशलः आस्था

श्रद्धा, श्रृंगार और राल की ज्वाला में सराबोर हुआ द्वारकाधीश धाम

पक्षी वाले दादाजी के पावन प्रसंग पर गोवर्धन चौक बना भक्ति का महासागर

राल उत्सव की खुशबू से महक एवं लपटों से जगमग हुआ मंदिर परिसर

प्रभु ने स्वर्ण बंगले में दिए दर्शन

राजस्थान दर्शन

सुरेश भाट/ राजसमंद। श्री पुष्टिमार्गीय तृतीय पीठ प्रन्यास के प्रमुख धाम श्री द्वारकाधीश मंदिर में मंगलवार को श्री ब्रजभूषणजी महाराज (पक्षी वाले दादाजी) के पावन प्रसंग पर आयोजित उत्सव ने भक्ति, परंपरा और भावनाओं का ऐसा अनुपम संगम रचा, जिसने हर श्रद्धालु को भावविभोर कर दिया। अलसुबह 7:10 बजे मंगला दर्शन के साथ उत्सव का शुभारंभ हुआ और दिन चढ़ते-चढ़ते पूरा मंदिर परिसर आस्था के समंदर में परिवर्तित हो गया। सुबह 9:15 बजे प्रभु के श्रृंगार दर्शन खुले तो मानो स्वर्ग धरती पर उतर आया। प्रभु श्री द्वारकाधीश का अलौकिक श्रृंगार भक्तों के लिए अविस्मरणीय बन गया। मस्तक पर स्वर्ण मुकुट की भव्य टोपी, केसरिया घेरदार जामदानी वाघा के साथ सुसज्जित सूथन, पतंगी रंग के कटि-पटके और मेघश्याम ठाड़े वस्त्रों में प्रभु का स्वरूप अत्यंत मनोहारी प्रतीत हो रहा था। स्वर्ण आभरणों से सुसज्जित यह दिव्य झांकी दर्शनार्थियों की आंखों में बस गई।

भक्ति ही नहीं, विज्ञान भी है राल उड़ाने की परंपरा

पुष्टिमार्गीय मंदिरों में राल उड़ाने की परंपरा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि गहरे भावनात्मक दर्शन और वैज्ञानिक सोच का प्रतीक है। मंदिर के सलाहकार डॉ. जयेशभाई शाह के अनुसार, पुष्टिमार्ग भावना का संप्रदाय है। राल उड़ाना उस आंतरिक ताप का प्रतीक है, जो भक्त के हृदय में प्रभु-मिलन की उत्कंठा और विरह से उत्पन्न होता है। अग्नि की ऊंची लपटें भक्त की तीव्र पुकार और समर्पण का रूपक मानी जाती हैं।

आयुर्वेदिक दृष्टि से भी उपयोगी राल

आध्यात्मिक महत्व के साथ-साथ राल का वैज्ञानिक और आयुर्वेदिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। बसंत ऋतु में कफ दोष की वृद्धि को संतुलित करने में राल सहायक मानी जाती है। इसकी गर्म प्रकृति फेफड़ों में जमा कफ को पिघलाने में सहायक होती है। आयुर्वेद में राल को शुद्धिकरण, घाव भरने, वातावरण को विषमुक्त करने और मानसिक एकाग्रता बढ़ाने वाला तत्व माना गया है। धूप के रूप में प्रयुक्त राल न केवल मंदिर परिसर को पवित्र करती है, बल्कि मन को भी अद्भुत शांति प्रदान करती है।

स्वर्ण बंगले में प्रभु, बगीचे ने बढ़ाई शोभा

उत्सव की भव्यता उस समय चरम पर पहुंच गई जब राजभोग से लेकर संध्या आरती तक प्रभु निज तिवारी में विशेष रूप से निर्मित सोने के बंगले में बिराजमान हुए। मंदिर परिसर में तैयार किया गया मनमोहक बगीचा संध्या आरती के पश्चात आम दर्शनार्थियों के लिए खोल दिया गया। जैसे ही श्रद्धालुओं ने स्वर्ण बंगले में प्रभु की अलौकिक झांकी के दर्शन किए, गोवर्धन चौक 'जय द्वारकाधीश' के जयकारों से गूंज उठा। मंदिर के मुख्य समाधानी राजकुमार गौरवा ने बताया कि श्रृंगार से लेकर शयन तक हर झांकी में श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व भीड़ उमड़ी। प्रभु की एक झलक पाने के लिए भक्त घंटों प्रतीक्षा करते नजर आए।

राल महोत्सव में जागी विरह-भक्ति की ज्वाला

:-उत्सव का मुख्य आकर्षण शयन के समय गोवर्धन चौक में आयोजित राल महोत्सव रहा। पारंपरिक विधि के अनुसार मंदिर के मुखिया कृष्ण कांत बबला जी और गोविंद गोपाल ने प्रभु के सम्मुख श्रद्धा भाव से राल उड़ाई। जैसे ही राल अग्नि पर पड़ी, ऊंची उठती लपटों और अग्नि के गुब्बारों की चमक से पूरा मंदिर परिसर प्रकाशमान हो उठा। राल की भीनी सुगंध और अबीर-गुलाल से वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक रंग में रंग गया। इस अवसर पर कीर्तनकारों ने अष्टछाप कवियों के पदों का मधुर गायन किया। 'श्री गिरधर लाल रसाल खेलत रंग रहो' जैसे पदों ने प्रभु की लीलाओं का जीवंत चित्रण कर दिया। भक्ति, संगीत और परंपरा के इस संगम ने श्रद्धालुओं को देर रात तक मंदिर प्रांगण में बांधे रखा।

धर्म और विज्ञान का जीवंत उदाहरण

श्री द्वारकाधीश मंदिर में मनाया गया यह उत्सव इस बात का सजीव प्रमाण बना कि हमारी सनातन परंपराओं में धर्म और विज्ञान एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। पुष्टिमार्ग की हर परंपरा–चाहे वह फगवाश आरोगवाना हो या राल महोत्सव–मानव के शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक उन्नति को केंद्र में रखकर रची गई है। इस दिव्य उत्सव ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि जब भक्ति, परंपरा और विज्ञान एक साथ चलते हैं, तब संस्कृति केवल स्मृति नहीं, बल्कि जीवंत अनुभव बन जाती है।

राजस्थान दर्शन स्पेशलः आस्था

आस्था, परंपरा और नारी सशक्तिकरण का अद्भुत संगमः कुचामन की गणेश डूंगरी

राजस्थान का गणेश मंदिर, जहां महिलाएं हैं पुजारी प्रधान, 135 साल से चली आ रही परंपरा

बेगाराम कुमावत/ कुचामन सिटी।

भारत की प्राचीन परंपरा में यह अटूट विश्वास रहा है कि किसी भी शुभ या मांगलिक कार्य की शुरुआत भगवान गणेश की पूजा के बिना अधूरी मानी जाती है। विवाह हो, नया व्यापार हो, वाहन खरीदा गया हो या कोई नया संकल्प–हर कार्य से पहले विघ्नहर्ता गणपति का स्मरण किया जाता है, ताकि रिद्धि-सिद्धि के साथ सफलता का मार्ग प्रशस्त हो। इसी आस्था की जीवंत मिसाल है राजस्थान के डीडवाना-कुचामन जिले के कुचामन सिटी में स्थित गणेश डूंगरी, जहां पहाड़ी के शीर्ष पर विराजमान हैं भगवान सिद्धि विनायक। यह मंदिर न केवल श्रद्धा का केंद्र है, बल्कि नारी सशक्तिकरण की डेढ़ सौ साल पुरानी जीवित परंपरा का प्रतीक भी है। इस मंदिर की सबसे अनोखी विशेषता यह है कि यहां पिछले 133 वर्षों से प्रधान पुजारी महिला ही रही हैं। वर्ष 1891 से आज तक, पीढ़ी दर पीढ़ी महिलाओं ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना, श्रृंगार और सेवा की जिम्मेदारी निभाई है। यह परंपरा उस दौर में शुरू हुई, जब समाज पर्दा प्रथा और रूढ़ियों में जकड़ा हुआ था।

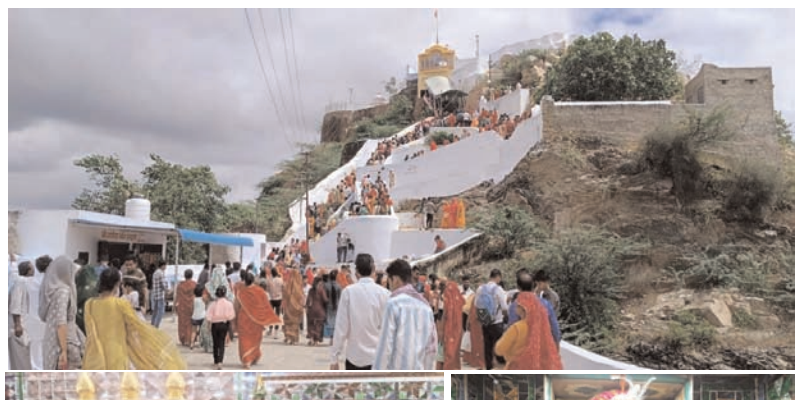

रजवाड़ों के दौर से है गणेश डूंगरी का महत्व

कहा जाता है कि कुचामन शहर को बसाने से पहले ही यहां भगवान गणेश की मूर्ति की स्थापना हो चुकी थी। तभी से यह मंदिर पूरे क्षेत्र का प्रथम आराध्य स्थल माना जाता है। आज भी कोई नया कार्य शुरू करने से पहले क्षेत्रवासी यहां विनायक दर्शन के लिए अवश्य आते हैं। इतिहास के पन्नों में झांकें तो पता चलता है कि वर्ष 1891 में मंदिर के तत्कालीन पुजारी के आकस्मिक निधन के बाद उनकी पत्नी डाली देवी शर्मा ने तत्कालीन राजा से मंदिर में पूजा करने की अनुमति मांगी, ताकि परिवार का पालन-पोषण हो सके। राजा द्वारा अनुमति दिए जाने के बाद, उन्होंने पूजा का दायित्व संभाला–और यहीं से शुरू हुई एक ऐसी परंपरा, जिसने समय से बहुत आगे जाकर समाज को दिशा दी।

शादी का पहला निमंत्रण भगवान गणेश को

आज भी कुचामन क्षेत्र में किसी का विवाह तय होता है तो विवाह का पहला निमंत्रण गणेश डूंगरी स्थित भगवान गणेश को ही दिया जाता है। नेता भी यहां पर धोक देने के लिए आते हैं चुनाव का फॉर्म भरने से पहले श्री गणेश जी के चरणों में अपना फार्म रखकर उसके बाद जमा करने के लिए जाते हैं।

आस्था, परंपरा और नारी सशक्तिकरण का अद्भुत संगम

आज इसी परंपरा को आगे बढ़ा रही हैं प्रधान पुजारी बबिता शर्मा, जिन्हें यह दायित्व विरासत में मिला है। उनके साथ मंदिर सेवा में जुड़ी हैं नेहा शर्मा। मंदिर के सहायक पुजारी और बबिता शर्मा के पति नाथूलाल शर्मा बताते हैं कि यहां भगवान गणेश से मांगी गई हर सच्ची मन्नत पूरी होती है। स्थानीय भक्त अनंत तिवाड़ी बताते हैं कि राजाओं-महाराजाओं के दौर में भी जब कोई युद्ध, त्योहार या नया कार्य होता था, तो सबसे पहले गणेश डूंगरी में दर्शन किए जाते थे। विजय के बाद भी सबसे पहले भगवान गणेश के चरणों में शीश नवाया जाता था। सैकड़ों वर्षों से सिंडोलिया परिवार द्वारा की जा रही यह पूजा-अर्चना केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि स्त्री शक्ति, विश्वास और सामाजिक परिवर्तन की प्रेरक कहानी है। आज जब सरकारें महिला सशक्तिकरण के लिए अभियान चला रही हैं, तब कुचामन की गणेश डूंगरी यह संदेश देती है कि सशक्तिकरण कोई नया विचार नहीं, बल्कि हमारी जड़ों में पहले से मौजूद संस्कार है। गणेश डूंगरी केवल एक मंदिर नहीं–यह आस्था, इतिहास और नारी शक्ति का संगम है, जो आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरणा देता रहेगा।

किसानों को रबी गिरदावरी के लिए अपील

राजस्थान दर्शन

लसाड़िया। लसाड़िया तहसील के समस्त किसानों से गिरदावरी की जा रही है। तहसीलदार रामजीलाल गुर्जर ने बताया कि शासन निर्देशानुसार रबी गिरदावरी सम्वत 2082 (वर्ष 2025-26) में कम से कम 25' खसरों की गिरदावरी स्वयं किसानों द्वारा 'किसान गिरदावरी मोबाइल ऐप' के माध्यम से की जाए। इससे मिलने वाले लाभ फसल का डिजिटल व प्रमाणिक रिकॉर्ड,फसल बीमा, मुआवजा व योजनाओं का लाभ शीघ्र, गिरदावरी में पारदर्शिता होगी एवं त्रुटियों में कमी आएगी। सभी किसान अपने-अपने खसरों की गिरदावरी किसान गिरदावरी ऐप से स्वयं करेंगे। किसान गिरदावरी करते समय स्वयं की सेल्फी कैप्चर करना अनिवार्य है एवं सेल्फी के बिना गिरदावरी मान्य नहीं होगी। तहसील लसाड़िया के समस्त सरकारी कार्मिक, जिनका तहसील लसाडिया के राजस्व रिकॉर्ड में नाम है, वे भी अपने खसरों की सेल्फ डीसीएस गिरदावरी करें। तथा अन्य किसानों को इसके लिए प्रेरित करें।

विश्व कैंसर दिवस पर सर्वाइकल कैंसर जांच शिविर आज

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। विश्व कैंसर दिवस पर नारी शक्ति को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा के देश व्यापी अभियान के तहत अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल राजनगर व तेरापंथ महिला मंडल कांकरोली की साझेदारी में सर्वाइकल कैंसर जांच शिविर का विशाल आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम संयोजक व मंडलद्वय अध्यक्ष ऋतु धोका व मनीषा कच्छारा ने बताया कि शिविर में 200 महिलाओं की पैप स्मियर टेस्ट के माध्यम से सर्वाइकल कैंसर की निःशुल्क जांच की जायेगी। उन्होंने बताया कि शिविर का समायोजन जेके गार्डन के सामने स्वास्थ्य भवन प्रथम तल में होगा। शिविर का समायोजन सुबह 9 से शाम 4 बजे तक होगा। शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ ममता प्रजापत, डॉ अपराजिता शर्मा, चिकित्सा अधिकारी डॉ इप्ति खान, डॉ भव्या सालवी, नर्सिंग ऑफिसर शेफाली, दीपिका मेघवाल, सीएचओ रेखा सेरसिया, पायल खींची, इंद्रा रेगर, कीर्ति बोरीवाल, काउंसलर मोनिका शर्मा सेवाएं देगी। मेडिसेंटर सोनोग्राफी उदयपुर द्वारा जांच की रिपोर्ट दी जायेगी। इससे पूर्व मुनि सुरेश कुमार के सान्निध्य में कैंसर अवेयरनेस सेमिनार का आयोजन होगा, जिसमें जिला प्रमुख रतनीदेवी जाट, जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा, सीएमएचओ हेमंत कुमार बिंदल शिरकत करेंगे।

महाशिवरात्रि पर्व पर बामन टुकड़ा स्थित प्रसिद्ध पाटिया महादेव मंदिर में भजन संध्या 15 को

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। महाशिवरात्रि पर जिले के बामन टुकड़ा स्थित प्रसिद्ध पाटिया महादेव मंदिर परिसर में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। एक शाम पटिया वाले महादेव के नाम आयोजित सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम 15 फरवरी को आयोजित होगा। आयोजन की जानकारी देते धरती नमकीन सूरत के डायरेक्टर चतुर्भुज दवे और शंकरलाल दवे ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत रात्रि 8 बजे से होगी, जिसमें सुप्रसिद्ध भजन गायक जगदीश वैष्णव मुंगाना चित्तौड़ के साथ ही भजन गायिका हेमलता वैष्णव और गायक बबलू राजस्थानी अपनी सुमधुर आवाज में भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। भजन संध्या में जयमाला म्यूजिकल ग्रुप मुंगाना और न्यू राजस्थानी म्यूजिकल ग्रुप भीलवाड़ा के कलाकारों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएगी। गायकी के साथ-साथ नृत्य कलाकार अंकित बाबू फतहनगर और संपत भाई कांकरोली अपने विशेष नृत्य की प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण राजस्थान के सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा सजाई जाने वाली मनमोहक झाकियां रहेगी। भजन संध्या का आयोजन धरती नमकीन सूरत के चतुर्भुज दवे, शंकरलाल दवे, भगवानलाल दवे सहित बालाजी मित्र मंडल और नवयुवक मंडल पाटिया महादेवजी बामन टुकड़ा द्वारा किया जा रहा है।

श्रीगंगानगर में एथेनॉल फैक्ट्री हटाने को लेकर विरोध-प्रदर्शन

श्रीगंगानगर

संगरिया में प्रस्तावित बायो एथेनॉल फैक्ट्री हटाने की मांग को लेकर मंगलवार को किसानों ने सादुलशहर के खैरुवाला टोल प्लाजा पर विरोध-प्रदर्शन किया। इस दौरान किसानों ने प्रशासन व राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसान नेताओं ने सभा को संबोधित भी किया। संघर्ष समिति के सदस्यों ने कहा- टिब्बी के राठीखेड़ा की तरह सादुलशहर के सीमा क्षेत्र में भी एथेनॉल फैक्ट्री लगाई जा रही है। इससे लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ होगा, जो हम किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम फैक्ट्री यहां नहीं लगने देंगे। किसानों का कहना है कि संगरिया क्षेत्र में बुगलावाली के पास एथेनॉल फैक्ट्री प्रस्तावित है। राठीखेड़ा में किसान-मजदूरों ने जिस तरह आंदोलन किया, वैसा ही यहां भी होगा। अगर सरकार ने फैक्ट्री नहीं हटाई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। विरोध-प्रदर्शन के बाद एथेनॉल फैक्ट्री हटाओ संघर्ष समिति ने 7 फरवरी को बुगलावाली में महापंचायत करने का निर्णय लिया। इस महापंचायत में आगे की रणनीति तय की जाएगी।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने युवक को कुचला: इलाज के दौरान दम तोड़ा

कोटा

कोटा के सिमलिया थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत हो गई। ट्रैक्टर का टायर उसके ऊपर से निकल गया। युवक को घायल हालत में हॉस्पिटल ले जाया गया था लेकिन मौत हो गई। घटना 2 फरवरी शाम 7 बजे के आस-पास की है। परिजनों ने ट्रैक्टर ड्राइवर के खिलाफ शिकायत दी है। सिमलिया थाना के हेड कॉन्स्टेबल सुरेश चंद ने बताया कि हादसे में राजेश (22) ओढ़ बस्ती, नाका के पास गड़ेपान की मौत हुई है। उसके बड़े भाई मुरली ने शिकायत दी है। मृतक के जीजा परवत सिंह ने बताया कि राजेश ट्रैक्टर-ट्रॉली चलाता था।

गोगुंदा उपजिला अस्पताल की बड़ी लापरवाही, गलत लैब रिपोर्ट से अधिवक्ता गंभीर, अहमदाबाद रेफर

राजस्थान दर्शन

गोगुंदा । उपजिला चिकित्सा लय गोगुंदा में चिकित्सा कर्मचारियों की गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। गलत लैब जांच रिपोर्ट के चलते एक अधिवक्ता की हालत गंभीर हो गई, जिसे इलाज के लिए अहमदाबाद रेफर करना पड़ा। मामले को लेकर गोगुंदा बार एसोसिएशन ने आज उपखंड अधिकारी एवं मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर दोषी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजवीर सिंह झाला के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि बार एसोसिएशन गोगुंदा के अधिवक्ता श्रवण कुमार जोशी 31 जनवरी 2026 को बीमार होने पर राजकीय उपजिला चिकित्सा लय गोगुंदा पहुंचे थे। जहां चिकित्साधिकारी द्वारा उन्हें लैब जांच लिखी गई। अधिवक्ता ने अस्पताल की सरकारी लैब में ही रक्त के सैंपल दिए, जिसके बाद लैब द्वारा दी गई रिपोर्ट में किडनी से संबंधित गंभीर पैरामीटर को सामान्य दर्शाते हुए 0.66 लिखकर नॉर्मल बता दिया गया। रिपोर्ट के आधार पर सभी जांचें सामान्य बताई गईं, जिससे अधिवक्ता आश्वस्त हो गए। लेकिन अगले ही दिन स्वास्थ्य में गिरावट आने पर 1 फरवरी 2026 को उदयपुर में पुनः जांच करवाई गई, जहां किडनी से संबंधित रिपोर्ट गंभीर अवस्था में पाई गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उन्हें तुरंत अहमदाबाद रेफर किया गया, जहां फिलहाल उनका इलाज जारी है। अहमदाबाद के चिकित्सकों द्वारा जब गोगुंदा अस्पताल की रिपोर्ट देखी गई तो इसे गंभीर चिकित्सकीय लापरवाही बताया गया और मरीज की जान को खतरे की आशंका जताई गई। बार एसोसिएशन ने इसे मरीज की जान से खिलवाड़ बताते हुए कहा कि यदि समय रहते सही रिपोर्ट दी जाती, तो स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती। ज्ञापन में बताया गया कि उपजिला चिकित्सालय गोगुंदा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में आसपास के गरीब व आदिवासी मरीज इलाज के लिए आते हैं, जो सरकारी लैब की रिपोर्ट पर भरोसा करते हैं। ऐसी लापरवाही से मरीजों की जान जोखिम में पड़ रही है, जो गैर-इरादतन हत्या जैसे गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है। बार एसोसिएशन ने मांग की है कि दोषी लैब कर्मचारियों को तत्काल निलंबित कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए, साथ ही भविष्य में लैब जांचों में पारदर्शिता और गंभीरता सुनिश्चित की जाए। अधिवक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार द्वारा लैब जांच के लिए दिए जा रहे करोड़ों रुपये के बजट का दुरुपयोग किया जा रहा है। इस मौके पर बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

फलासिया स्थित जेआर शर्मा महाविद्यालय में खेलकूद व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन

राजस्थान दर्शन

फलासिया। उदयपुर जिले की फलासिया तहसील मुख्यालय स्थित जेआर शर्मा महाविद्यालय में मंगलवार को विभिन्न खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कबड्डी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में ताराचंद खराड़ी मय टीम विजेता रही, जबकि महिला वर्ग में मनीषा राजपूत मय टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुर्सी रेस प्रतियोगिता के महिला वर्ग में लक्षिता पटेल ने प्रथम, जसोदा ने द्वितीय एवं इंदिरा गरासिया ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं पुरुष वर्ग में सूर्यप्रकाश प्रथम, गोपाल दामा द्वितीय एवं ताराचंद खराड़ी तृतीय स्थान पर रहे। वॉलीबॉल प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में गोपाल मय टीम विजेता रही, जबकि महिला वर्ग में प्रियंका खराड़ी मय टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एक मिनट प्रतियोगिता के महिला वर्ग में द्विवंकल राजपूत प्रथम, अंजलि पटेल द्वितीय तथा फुलवंती एवं निर्मला ननामा तृतीय स्थान पर रहीं। पुरुष वर्ग में विवेक तेली ने प्रथम, रवि प्रकाश ने द्वितीय एवं राहुल बड़ोद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता (महिला वर्ग) में सुमन मय टीम, कविता पटेल मय टीम, अंजलि मय टीम एवं पुष्पा डागाचा मय टीम ने भाग लिया, जिनके परिणाम बुधवार को घोषित किए जाएंगे। प्रतियोगिताओं के दौरान जेआर शर्मा पीजी महाविद्यालय के प्रबंधक रामचंद्र जन्नावत, राकेश रामावत, संजय मेघवाल, गुलाब सिंह पवार, प्रकाशचंद्र आहारी, प्रकाशचंद्र कसूता, गिरजा लोहार, शारदा कलाल, रीना तीरगर, देवी सिंह देवड़ा सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। मंगलवार को आयोजित समस्त प्रतियोगिताएं डॉ. सतीश जोशी, उपाचार्य, जेआर शर्मा कन्या शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, झाड़ोल के निर्देशन में संपन्न हुईं। दिनांक 30 जनवरी से 3 फरवर तक आयोजित सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को आज बुधवार को दोपहर में महाविद्यालय प्रांगण में आयोजित भव्य सांस्कृतिक एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत बाल विवाह मुक्त रथ का शुभारंभ

रथ यात्रा के द्वारा दिया बाल विवाह रोकथाम का संदेश

बाल विवाह की रोकथाम सामूहिक जिम्मेदारी -कलेक्टर अवधेश मीना

राजस्थान दर्शन

सलूम्बर। बाल विवाह की रोकथाम को लेकर देश भर में चलाए जा रहे बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत 100 दिन के विशेष अभियान के अंतर्गत बाल अधिकारिता विभाग एवं जिला बाल संरक्षण इकाई, गायत्री सेवा संस्थान एवं जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन के संयुक्त तत्वावधान में जन जागरूकता रथ यात्रा की शुरुआत की गई। अवधेश मीना द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि बाल विवाह की रोकथाम सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए समाज के हर वर्ग को आगे आना होगा। 100 दिन के विशेष अभियान के तहत आमजन को जागरूक कर बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को रोका जा सकता है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतन चावला ने बताया कि रथ यात्रा ग्रामीण स्तर तक जाकर बाल विवाह की रोकथाम को लेकर जागरूकता फैलाएगी। बाल अधिकारिता विभाग के निदेशक सुभाष ने बताया कि अभियान के दौरान बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम में मानव तस्करी विरोधी यूनिट एएसआई रणजीत सिंह, ममता सलूम्बर एसीईओ दिनेश पाटीदार सलूम्बर डिप्टी सेजल शेखावत सलूम्बर थाना अधिकारी हेमंत चोहान, झल्लारा तहसील से तहसीलदार मयूर शर्मा झल्लारा थाना अधिकारी जयकिशन फुलवारिया गायत्री सेवा संस्थान से जिला समन्वयक पायल कनेरिया, रमेश चौबीसा, नारायण आहारी, सरदारमल मीणा विभाग के अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दुबई में अंतरराष्ट्रीय मंच पर कोटा के डॉ. रोहित दाधीच ने बढ़ाया राजस्थान का गौरव

राजस्थान दर्शन

कोटा,कोटा स्थित ईथॉस हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट एवं क्लिनिकल लीड (एडवांस्ड लेप्रोस्कोपिक, बैरियाट्रिक एवं जनरल सर्जरी) डॉ. रोहित दाधीच ने अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा जगत में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए राजस्थान और देश का नाम रोशन किया है। उन्हें Dubai Hernia Summit 2026 में विशेष आमंत्रित वक्ता (Invited Speaker) के रूप में आमंत्रित किया गया, जहाँ उन्होंने अपनी उन्नत शल्य-चिकित्सा शोध प्रस्तुतियाँ साझा कीं। इस प्रतिष्ठित वैश्विक सम्मेलन में डॉ. दाधीच ने इंगुइनल हर्निया एवं जटिल एब्डॉमिनल वॉल हर्निया के उपचार में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के लाभों पर आधारित अपने दो वैज्ञानिक शोध पत्र प्रस्तुत किए। उनकी प्रस्तुतियों को सम्मेलन में उपस्थित अंतरराष्ट्रीय स्तर के वरिष्ठ एवं प्रख्यात हर्निया विशेषज्ञों द्वारा विशेष सराहना मिली। Dubai Hernia Summit 2026 में विश्वभर से हर्निया सर्जरी के क्षेत्र के जाने-माने सर्जन, विशेषज्ञ और शोधकर्ता शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि इस सम्मेलन में राजस्थान से आमंत्रित और सहभागिता करने वाले एकमात्र सर्जन डॉ. रोहित दाधीच रहे, जो प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। डॉ. रोहित दाधीच ने अमेरिका की विश्वविख्यात Cleveland Clinic (USA) से एडवांस्ड लेप्रोस्कोपिक, बैरियाट्रिक एवं कॉम्प्लेक्स एब्डॉमिनल वॉल हर्निया सर्जरी का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त वे नई दिल्ली के प्रतिष्ठित सर गंगाराम हॉस्पिटल में कंसल्टेंट के रूप में भी अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के क्षेत्र में दस वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाले डॉ. दाधीच को लेप्रोस्कोपिक हर्निया एवं गैस्ट्रो-इंटेस्टाइनल (G.I.) सर्जरी का विशेषज्ञ माना जाता है। आधुनिक न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी तकनीकों में उनकी विशेष पहचान है। कम उम्र में ही अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने शोध और कार्य की प्रस्तुति ने उन्हें देश के सबसे युवा एवं उभरते हुए लेप्रोस्कोपिक सर्जनों की श्रेणी में स्थापित किया है। डॉ. रोहित दाधीच की इस उपलब्धि से न केवल ईथॉस हॉस्पिटल, बल्कि कोटा और पूरे राजस्थान का नाम अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा समुदाय में गौरवान्वित हुआ है। चिकित्सा विशेषज्ञों और शहरवासियों ने उनकी इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे युवा सर्जनों के लिए प्रेरणास्रोत बताया है।

राजसमंद टैक्स बार एसोसिएशन का वार्षिक खेल महोत्सव संकल्प सम्पन्न

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। टैक्स बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित वार्षिक खेल महोत्सव संकल्प का आयोजन राबचा स्थित मदन पालीवाल मिराज स्पोर्ट्स सेंटर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें टैक्स बार एसोसिएशन, एसजीएसटी विभाग, सीजीएसटी विभाग और आयकर विभाग की टीमों के मध्य कुल पांच रोमांचक क्रिकेट मैच खेले गए। प्रतियोगिता में एसजीएसटी टीम का नेतृत्व डिप्टी कमिश्नर नेना राम प्रजापति ने किया। आयकर विभाग की टीम का नेतृत्व आईटीओ रमेश चंद्र मीणा ने किया, जबकि टैक्स बार इलेवन की कमान सीए अर्चित मंत्री ने संभाली। फाइनल मुकाबला बहुप्रतीक्षित बार बनाम बेंच के रूप में टैक्स बार प्रेसिडेंट इलेवन एवं आयकर सीजीएसटी की संयुक्त टीम के मध्य खेला गया, जिसमें प्रेसिडेंट इलेवन ने 56 रनों से शानदार जीत दर्ज की। टैक्स बार अध्यक्ष एडवोकेट अनिल कुमार खंडेलवाल ने बताया कि यह लगातार पांचवीं बार है, जब टैक्स बार ने वार्षिक बार बनाम बेंच क्रिकेट मुकाबले में विजय प्राप्त की है। इस आयोजन की तैयारियों में विगत एक माह से अध्यक्ष के नेतृत्व में सीए अर्चित मंत्री, सीए मयंक थरपाल, सीए विशाल कोठारी, एडवोकेट मुकेश जैन, एडवोकेट रोडीलाल कुमावत, सीए वसीम हुसैन एवं सीए राजेन्द्र माली सक्रिय रूप से जुटे रहे। कार्यक्रम के दौरान सीए गोविंद सनाढ्य, सीए धर्मेंद्र व्यास, सीए कुणाल पुरोहित, सीए संदीप सुराणा, सीए एलके बडोला, सीए रोहित बडोला, एडवोकेट आरके जैन, सीए विनोद भाटिया, सीए अजय कर्णावट, एडवोकेट शंकरलाल शर्मा, सीएस लोकेश शर्मा, एडवोकेट केके गौड़ सहित एसोसिएशन के सदस्य तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। फोटो राज पीएच 6 राजसमंद। टैक्स बार एसोसिएशन के वार्षिक खेल महोत्सव के तहत आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के विजेता टीम को ट्रोफी प्रदान कर पुरस्कृत करते अतिथि।

सरकार के षड्यंत्र के खिलाफ आवाज उठाएंगे; जालोर में धरने में हुए शामिल

जालोर

कांग्रेस ने मंगलवार को मनरेगा बचाओ संग्राम जन आंदोलन के तहत जालोर जिला कलेक्ट्रेट के सामने विरोध प्रदर्शन किया। इसमें लोकसभा प्रत्याशी वैभव गहलोत भी शामिल हुए। उन्होंने कहा- केंद्र की मोदी सरकार मनरेगा का नाम बदलने के साथ ही इससे समाप्त करने का प्रयास कर रही हैं। मनरेगा बचाओ आंदोलन को लेकर कमेटी बनाई गई हैं, जिसमें मुझे भी सदस्य बनाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने मनरेगा के प्रति जो षड्यंत्र रचा हैं, उसके खिलाफ मजबूती से आवाज उठाई जाएगी। पहले मनरेगा में 10 प्रतिशत पैसा राज्य सरकार देती थी और अब भाजपा सरकार ने 40 प्रतिशत भार राज्य सरकार पर डाल दिया हैं। इससे आने वाले समय में राज्य स्तर से आने वाला बजट बंद हो जाएगा, जिससे यह योजना और मनरेगा ही बंद हो जाएगी। उन्होंने कहा कि पहले पंचायत स्तर से फैसला होता था कि पंचायत में कहां काम चलाना है, और क्या काम कराना हैं। लेकिन अब सरकार पंचायत के पास से यह अधिकार लेकर राज्य स्तर पर कर दिया हैं। इससे अब कहां काम होगा

शिक्षा जगत में निम्स यूनिवर्सिटी का बड़ा धमाका : 100 करोड़ की छात्रवृत्ति का ऐलान और गुरुओं का वंदन

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। जहां गुरु का सम्मान होता है, वहीं उज्ज्वल भविष्य का निर्माण होता है। इसी ध्येय वाक्य को चरितार्थ करते हुए प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था निम्स यूनिवर्सिटी जयपुर द्वारा एक निजी होटल में गुरु वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस गौरवमयी समारोह में राजसमंद और आसपास के जिलों के करीब 100 से अधिक स्कूल निदेशकों, प्राचार्यों और वरिष्ठ शिक्षकों ने शिरकत की, जिन्हें शिक्षा के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सबसे महत्वपूर्ण घोषणा निम्स यूनिवर्सिटी के सहायक निदेशक अतिंदरपाल सिंह ने की। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम उठाते हुए मेधावी विद्यार्थियों के लिए 100 करोड़ रुपये की ऐतिहासिक छात्रवृत्ति का ऐलान किया। सिंह ने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय का मानना है कि आर्थिक तंगी कभी भी किसी होनहार छात्र की पढ़ाई में बाधा नहीं बननी चाहिए। हर छात्र में एक विशेष प्रतिभा होती है और निम्स उसे वैश्विक मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्य अतिथि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी रामेश्वर लाल बाल्दी ने इस पहल की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि गरीबी और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण जो बच्चे अपनी उच्च शिक्षा बीच में छोड़ देते हैं, उनके लिए निम्स यूनिवर्सिटी भविष्य की नई राह खोल रही है। यह न केवल बच्चों को आगे बढ़ाएगा बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी सहायक होगा। अंत में गुरु-शिष्य परंपरा को भारतीय संस्कृति की आत्मा बताते हुए सभी उपस्थित शिक्षकों का अभिनंदन किया गया। वहीं कार्यक्रम के दौरान योजनाओं के पोस्टर का विमोचन किया गया।

निम्स यूनिवर्सिटी एंट्रेंस एग्जाम से मिलेगी 100 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप

अतिंदरपाल सिंह ने बताया कि राजसमंद क्षेत्र के 10वीं और 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की मुख्यधारा से जोडने के लिए फरवरी माह से निम्स यूनिवर्सिटी एंट्रेंस एग्जाम का आयोजन किया जाएगा। इस प्रवेश परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर विद्यार्थियों को 15 प्रतिशत से लेकर शत-प्रतिशत तक छात्रवृत्ति दी जाएगी। यह पहल विशेष रूप से उन ग्रामीण और प्रतिभावान बच्चों के लिए वरदान साबित होगी जो संसाधनों के अभाव में अपने सपनों को उड़ान नहीं दे पाते। विश्वविद्यालय की आधुनिक शिक्षा पद्धति पर प्रकाश डालते हुए कि छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि इंडस्ट्री एक्सपोजर भी मिलेगा। नए पाठ्यक्रमों के तहत छात्रों को गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के विशेषज्ञों द्वारा सीधा प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे उन्हें डिग्री पूरी होते ही विश्वस्तरीय कंपनियों में रोजगार के बेहतरीन अवसर प्राप्त हो सकें।

हिंदू सम्मेलन को लेकर समिति का गठन 8 फरवरी को होगा आयोजन

राजस्थान दर्शन

मारवाड़ जंक्शन। हिंदू सम्मेलन को लेकर सिरियारी हनुमान जी मंदिर में बैठक हुई , बैठक में सर्व समिति से आयोजन समिति का गठन किया गया । सिरियारी में विराट हिंदू सम्मेलन 8 फरवरी 2026 को होगा बैठक में मार्गदर्शक विजयकिशन वेद ,उम्मेद सिंह लक्ष्मण सिंह पावटिया , राजाराम सैणचा , छैल दास मदन मेवाड़ा शक्ति सिंह जगदीश वेद को जिम्मेदारी सौंपी ।समिति संरक्षक उम्मेद सिंह , विजयकिशन वेद , संयोजक लक्ष्मण सिंह पावटिया , सहसंयोजक रिखब जैन हितेश व्यास दलपत सिंह भाटी राजेंद्र पंवार , हरीश नायक सत्यनारायण सोनी श्याम सुंदर रेगर भरत सोनी जीवराज हरिजन प्रकाश परिहार कोष प्रमुख महावीर मेवाड़ा अजय जैन बाबूलाल प्रजापत मदन मेवाड़ा प्रचार प्रमुख निर्मल वेद दिलीप मेवाड़ा संजय वैष्णव यश मेवाड़ा व्यवस्था प्रमुख रिखब जैन हितेश व्यास मदन मेवाड़ा को नियुक्त किया गया बैठक में सदस्यों ने कहा कि हिंदू सम्मेलन को भव्य एवं अनुशासित रूप देने के लिए सभी समाजो का सहयोग लिया जाएगा।

एम.एल.वी. कॉलेज में 'कालीबाई' नाटक का मंचन

राजस्थान दर्शन

भीलवाड़ा। स्थानीय महाविद्यालय में डॉ. सौरभ सिंह द्वारा रचित नाटक 'कालीबाई' का प्रस्तुतीकरण हुआ। प्राचार्य डॉ. संतोष आनंद ने बताया कि इस नाटक की थीम वीरांगना कालीबाई के जीवन पर आधारित थी। इस नाटक में बताया गया कि किस प्रकार डूंगरपुर जिले के रास्तापाल गांव की एक 13 वर्षीय भील समाज की आदिवासी बालिका कालीबाई ने आजादी के दौर में ब्रिटिश एवं सामंती गठजोड़ का प्रतिरोध करते हुए अपने शिक्षक सेंगाभाई के लिये प्राणो की आहुति दी थी। नाटक का लेखन एवं निर्देशन महाविद्यालय के सह आचार्य डॉ. सौरभ सिंह द्वारा किया गया। इस नाटक में कॉस्ट्यूम डिजाइन डॉ. अनंत दाधीच ने , क्राफ्ट डॉ. नारायण माली एवं डॉ. प्रवीण जोशी का रहा, डॉ. मनीष रंजन ने साउंड में सहयोग दिया। इस नाटक में महाविद्यालय की युगांशी पालीवाल, युवराज सिंह राठौड़, चित्रांश, प्रियंका शर्मा, निरमा कुमावत, कन्हैयालाल कुमावत, निलय जौहरी, दुर्गा शर्मा, खुशी प्रजापत, मनीष गवारिया, हरिप्रकाश गुंडालिया, युवराज खटीक, भावना सेन, राजकुमारी शर्मा और प्रिंस पायक सहित 15 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्राचार्य प्रो. संतोष आनंद ने बताया कि यह नाटक सरकार की स्कूटी योजना के द्वारा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के संदर्भ में मील का पत्थर है। प्राचार्य ने सभी विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए बधाई और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

श्री खुडाला खेतलाजी व ब्राह्मणी माता का दो दिवसीय मेला गुरुवार से , होंगे कई कार्यक्रम आयोजित

राजस्थान दर्शन

फालना। बाली तहसील के खुडाला गाँव में श्री खुडाला खेतलाजी व ब्राह्मणी माता का 2 दिवसीय भव्य मेला महोत्सव गुरुवार और शुक्रवार को आयोजित होगा । वही खुडाला खेतलाजी युवा मंडल अध्यक्ष नेताराम जे चौधरी व मेला महोत्सव अध्यक्ष प्रवीण एस सुथार ने बताया की यह खेतलाजी व ब्राह्मणी माता का 2 दिवसीय मेला 5 फ़रवरी और 6 फ़रवरी को आयोजित होगा जिसमे श्री महंत संतोष दास महाराज, श्री महेन्द्रानंद गिरि महाराज व श्री नागराज पूरी महाराज के सानिध्य के साथ मुख्य अतिथि के रूप मे बाली विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत व खेतलाजी उपासक सेवाड़ी श्री कपूर परिहार मौजूद रहेंगे। वही भजन कलाकार मे दुर्गा जसराज एंड पार्टी जोधपुर के साथ अंतरराष्ट्रीय कालबेलिया नृत्य होगा। वही गुरुवार को मैराथन पिपलेश्वर महादेव मंदिर से खुडाला खेतलाजी तक रहेगी एवं हवन, गीता यात्रा, हिन्दू सम्मेलन व रात्रि को भजन संध्या का आयोजन रहेगा और शुक्रवार को ग्राम सभा, ध्वजा, बहुमान समारोह और प्रसादी वितरण का कार्यक्रम रहेगा। इस कार्यक्रम के निमंत्रक श्री खुडाला खेतलाजी युवा मंडल एवं समस्त ग्रामवासी है जो की इस महोत्सव को सफल बनाने मे सभी कार्यकर्ता व कार्यकारिणी सदस्य जुटे हुए है।

वाडिया बावजी भैरूनाथ मंदिर में सराय का भूमि पूजन संपन्न

राजस्थान दर्शन

दरीबा। क्षेत्र के मेहंदुरिया गांव के समीप स्थित 12 गांवों के आराध्य देव भगवान वाडिया बावजी भैरूनाथ मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नई सराय (विश्राम गृह) के निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया गया। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (हिजिलि) के सहयोग से बनने वाली यह सराय 17 मीटर लंबी और 13 मीटर चौड़ी होगी, जिससे दूर-दराज से आने वाले दर्शनार्थियों को ठहरने में सुगमता होगी। भूमि पूजन पर दरीबा खान मजदूर संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नर हरिदेव सिंह राठौड़, उप सरपंच ओम प्रकाश वैष्णव और मंदिर पुजारी नाथूलाल गाडरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान हिंदुस्तान जिंक सीएसआर अधिकारी अभय गौतम ने निर्माण योजना और सामाजिक सरोकारों के बारे में जानकारी साझा की।

पीर नाथ महाराज के मेले में दिन भर श्रद्धालुओं की रही भीड़

श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर खुशहाली की कामना की गई

राजस्थान दर्शन

कीरवा । ग्राम पंचायत कीरवा के कल्याणपुरा गांव में स्थित रामदेव मन्दिर व पीर नाथ जी बगीची परिसर में दो दिवसीय वार्षिक मेला उत्साहपूर्वक आयोजित हुआ ।सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पीर नाथ महाराज के दरबार में धोक लगाकर क्षेत्र व परिवार में खुशहाली की कामना की ।मेले में दिन भर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही । सुबह गांव से ग्रामीणों ने पीर नाथ महाराज की बगीची से वरघोड़ा निकाला जो गांव से रवाना होकर विभिन्न मार्गो से होकर निकला वही ग्रामीणों ने जगह -जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया ! डीजे की धुन पर

युवक युवतियो ने नृत्य कर झुम उठे साथ ही महिलाओ मंगल गीत गाए । विशेष पूजा अर्चना कर मन्दिर पर ध्वजा चढ़ाई गई । मेले की पूर्व रात्रि को भजन संध्या कार्मकम हुआ ।

भजनों में गाई पीर नाथ महाराज की महिमा -

कई कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी । जिससे मेलार्थीयो का मनमोहित कर दिया ।मेले में समस्त ग्रामवासी व भामाशाहओ की ओर से श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद कार्यक्रम आयोजित किया गया । मेले में विभिन्न प्रकार की दुकानें लगाई गई जिस पर महिलाओ ने घरेलू सामान की जमकर खरीदारी की वह बच्चों ने खिलौने आदि खरीदे ! कार्यक्रम में विभिन्न भामाशाहओ ने बोली लगाई । कल्याणपुरा पीर नाथ महाराज विकास समिति की ओर से भामाशाह व अतिथियों का स्वागत किया । समारोह योगी माता शांतिनाथ महाराज के सानिध्य में आयोजित हुआ ।इस अवसर मुख्य अतिथि गुड़ा दुर्गादास भैरु बाबा उपासक उगमाराम गुर्जर, रानी पूर्व प्रधान पाबुसिह राणावत,रामनाम गौशाला संत धनराज गिरी महाराज,भामाशाह दिनेश प्रजापत शिवगंज, फौजी गणेश राम मीणा केसरपुरा, रानी पूर्व पंचायत समिति सदस्य चौथाराम मीणा, समाजसेवी वेनाराम घांची, भामाशाह मांगीलाल,सवाराम ढोला, खीमाराम चांगवा, पीरानाथजी मेला कमेटी सदस्य रतनलाल मीणा, पुनाराम, वोरा राम , जोराराम, भंवरलाल, नेनाराम , नाराराम, उमाराम, रमेश पुरी, अचलाराम चौधरी,भैराराम सहित आसपास के गांवों से ग्रामीण व कई श्रद्धालुओं ने पीर नाथ महाराज के दर्शन कर खुशहाली की कामना की ।

बाली में शबे-बारात की पाक रात पर ईदगाह परिसर में दुआ व इबादत का आयोजन, मदरसा बच्चों ने की क़ुरआन-ए-ख़ानी

राजस्थान दर्शन

बाली। पाली शबे-बारात के मुबारक मौके पर बाली के ईदगाह परिसर में मुस्लिम समाज द्वारा धर्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मदरसा के बच्चों ने क़ुरआन-ए-ख़ानी की तथा तक़रीर का कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सैयद इम्तियाज़ अली एवं सैयद इमरान अली द्वारा नात-ए-शरीफ पेश की गई, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। इसके पश्चात मौलाना सिराजुद्दीन अशरफी, पेश इमाम बाली ने तक़रीर पेश करते हुए शबे-बारात की फज़ीलत पर प्रकाश डाला। मौलाना सिराजुद्दीन अशरफी ने अपने संबोधन में कहा कि शबे-बारात की सबसे बड़ी फ़ज़ीलत माता-पिता की ख़िदमत करना है। उन्होंने कहा कि वह औलाद सबसे खुशनसीब होती है जिसके पास माँ होती है। इस पवित्र रात में अल्लाह की इबादत कर अपने गुनाहों की माफ़ी मांगनी चाहिए तथा अपने रब को राज़ी करने का प्रयास करना चाहिए। साथ ही अपने रिश्तेदारों और माता-पिता की कब्रों पर जाकर ज़ियारत करने की अहमियत भी बताई। कार्यक्रम के अंत में दुनिया से रुख़सत हो चुके मरहूमीन की मग़फिरत और हिंदुस्तान में अमन-चैन व भाईचारे के लिए विशेष दुआएँ की गईं। इस अवसर पर हाफ़िज़ ज़हीरुद्दीन, मौलाना यूसुफ़ सिद्दीकी, हाफ़िज़ सरफ़ुद्दीन (नायब इमाम बाली), वक़्फ़ कमेटी सदर अजमत खान शेरानी सहित समस्त कमेटी सदस्य व समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन सैयद इम्तियाज़ अली उर्फ़ छोटू भाई की देखरेख में संपन्न हुआ।

एसडीएम सेड़वा ने साढ़े 4 किलोमीटर सरकारी कटाण को रिकॉर्ड में दर्ज के किए आदेश

4 ग्राम पंचायतों के सैकड़ों ग्रामीणों को मिलेगा लाभ

राजस्थान दर्शन

सेड़वा। उपखंड अधिकारी सेड़वा बद्रीनारायण विश्नोई ने मंगलवार को भंवार,सिंहानिया डामर सड़क से मुलाणी प्रजापतों की ढाणी तक तकरीबन साढ़े चार किलोमीटर सरकारी भूमि में से वर्षों से स्थाई रूप से बारहमासी चालू रास्ते को राजस्व अभिलेख में दर्ज करने का आदेश दिया । एसडीएम विश्नोई ने बताया कि ग्रामीणों की मांग पर रास्ते की समस्या को देखते हुए उन्होंने ग्राम बामडला डेर की सरकारी भूमि किस्म गैर मुमकिन धोरा के खसरा नम्बर 696/349 और 535/ 349 में से मौके पर कई वर्षों से बारहमासी चालू स्थाई रास्ते को राजस्व अभिलेख में दर्ज करने के आदेश दिए। विश्नोई ने बताया कि इस रास्ते के राजस्व अभिलेख में दर्ज होने से राजस्व ग्राम गणपति नगर,भंवार,सिंहानिया, बामडला डेर और झड़पा के ग्रामीणों सहित चार ग्राम पंचायतों के सैकड़ों लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि इस रास्ते के राजस्व अभिलेख में दर्ज होने से डामर सड़क की स्वीकृति हो जाएगी ,जिससे आम जनता का आवागमन और सुलभ होगा ।इ्र एसडीएम ने मंगलवार को स्थानीय ग्रामीणों के प्रतिनिधियों को इस आदेश की प्रति सौंपी । इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष सेड़वा वगतेश विश्नोई,अंबेडकर मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश भील, युवा मोर्चा अध्यक्ष निम्बाराज, भाजपा ज़िला प्रवक्ता भगवानाराम प्रजापत,सेड़वा मंडल भाजपा उपाध्यक्ष कालूराम राम प्रजापति सहित कई ग्रामीण भी मौजूद रहे ।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गणका में इंडस्ट्री 4.0 व पावर सिस्टम प्रोटेक्शन पर जागरूकता कार्यक्रम

राजस्थान दर्शन

आबूरोड। गणका स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए उन्नत तकनीकों पर आधारित एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक औद्योगिक तकनीकों, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग एवं विद्युत सुरक्षा प्रणालियों की जानकारी प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में माधव विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गगन गोयल ने मुख्य वक्ता के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने अपने व्याख्यान में इंडस्ट्री 4.0 स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमेशन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स एवं डिजिटल फैक्ट्री जैसी आधुनिक तकनीकों की विस्तार से जानकारी दी। डॉ. गोयल ने बताया कि आने वाले समय में ये तकनीकें औद्योगिक कार्यप्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगी तथा विद्यार्थियों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करेंगी। इस अवसर पर माधव विश्वविद्यालय के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ दशरथ परमार ने पावर सिस्टम प्रोटेक्शन विषय पर जानकारी दी।

विद्यार्थियों के लिए अभिनंदन शुभाशीष समारोह का आयोजन

राजस्थान दर्शन

रानी। महावीर शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महावीर उच्च माध्यमिक विद्यालय में बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए अभिनंदन शुभाशीष समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों का माल्यार्पण किया गया और श्रीफल देकर उनके भावी सफल जीवन की कामना की गई। विद्यार्थियों ने महावीर शिक्षण संस्थान में प्रथम कक्षा से लेकर बारहवीं कक्षा तक के स्कूली जीवन से जुड़ी यादों को ताजा किया और भावुक हो गए।अपने बेहतर भविष्य के लिए दिन रात मेहनत करने वाले गुरुओं की मेहनत की प्रशंसा की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर एम.एल. मेहता और आदर्श माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य गोविंद वैष्णव थे।उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य कैसे हासिल करें विषय पर अपना आशीर्वाद दिया।संस्था निदेशक डॉक्टर राघव प्रसाद पांडेय ने विद्यार्थियों के भावी जीवन सफलता के सूत्र बताएं। प्रधानाचार्य रजनीश पाण्डेय ने सभी छात्र छात्राओं को परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम का संचालन व्याख्यात मदन भाट और मदन कंवर ने किया।

देशवाली पठान गोड़वाड़ बिरादरी के पुनर्जागरण की पहल, 8 फरवरी को आम जनरल मीटिंग आयोजित

राजस्थान दर्शन

बाली। पाली देशवाली पठान गोड़वाड़ बिरादरी के पुनर्जागरण, एकीकरण एवं सामाजिक विकास को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसी क्रम में दिनांक 01 फरवरी 2026 को गोड़वाड़ क्षेत्र की मौजीज बिरादरी के जिम्मेदार लोगों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें बिरादरी की वर्तमान परिस्थितियों पर गंभीर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि बिरादरी को संगठित कर विकास की दिशा में आगे बढ़ाने हेतु आम बिरादरी गोड़वाड़ की जनरल मीटिंग का आयोजन किया जाएगा। यह बैठक 8 फरवरी 2026, रविवार को सुबह 09:00 बजे, मदार सैय्यद बाबा दरगाह, लाठी जोड़, बाली में आयोजित होगी। इस जनरल मीटिंग का नेतृत्व देशवाली पठान गोड़वाड़ बिरादरी के पूर्व सदर हाजी सत्तार मोहम्मद फालना एवं पूर्व सदर मिश्रू खान देसूरी के मार्गदर्शन में किया जाएगा। बैठक का उद्देश्य बिरादरी में आपसी एकता को मजबूत करना, सामाजिक जागरूकता बढ़ाना तथा शिक्षा, तरक्की और संगठनात्मक विकास पर ठोस रणनीति बनाना है। पूर्व सदर साहबान ने गोड़वाड़ क्षेत्र के समस्त साहेबान व बिरादरी के लोगों से निर्धारित समय व स्थान पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाने की अपील की है। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि – 'आओ हम सब मिलकर बिरादरी को फिर से रोशन और मजबूत बनाएं तथा तरक्की की राह पर आगे ले चलें। '

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में देश-विदेश के शिक्षाविदों ने रखे विचार

विदेशी मॉडल नहीं, भारतीय ज्ञान प्रणाली से बनेगा विकसित भारतः प्रो. अनुकृति शर्मा

भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा के संरक्षण से ही संभव है विकसित भारत – अनुकृति शर्मा

राजस्थान दर्शन

कोटा/जयपुर। भारत की ज्ञान परंपरा हजारों वर्षों से विज्ञान, दर्शन, समाज और जीवन मूल्यों की समृद्ध विरासत रही है। इस परंपरा को समझे बिना और आत्मसात किए बिना हम वास्तविक विकास की कल्पना नहीं कर सकते। आईकेएस (इंडियन नॉलेज सिस्टम) पर विशेष जोर देते हुए कहा कि यह विचार कोटा विश्वविद्यालय की प्रो.डा. अनुकृति शर्मा ने एस एस जी पारीक महाविद्यालय तथा इंस्पिरा रिसर्च एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में व्यक्त किए। संगोष्ठी के तकनीकी सत्रों में देश-विदेश से जुड़े शिक्षाविदों और शोधार्थियों ने विकास, ज्ञान परंपरा और सामाजिक दायित्वों पर अपने शोध एवं विचार प्रस्तुत किए। संगोष्ठी के समापन सत्र की मुख्य वक्ता कोटा विश्वविद्यालय की प्रो. अनुकृति शर्मा रहीं। अपने प्रभावशाली और विचारोत्तेजक संबोधन में उन्होंने विकसित भारत के निर्माण में आम जन की निर्णायक भूमिका को रेखांकित किया। प्रो. शर्मा ने कहा कि विकसित भारत केवल आर्थिक सूचकांकों से नहीं, बल्कि मूल्य आधारित समाज, सांस्कृतिक चेतना और नागरिक जिम्मेदारियों से आकार लेता है।

जहाज-मावता में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का वाचन

राजस्थान दर्शन

उदयपुरवाटी / पचलंगी इलाके के जहाज-मावता में संगीत में सुंदरकांड पाठ का वाचन कर श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया। हेमंत कुलश्रेष्ठ माता ने बताया की श्रीनवोड़ा बालाजी सेवा मंडल द्वारा 190 वां संगीतमय सुंदरकांड पाठ का वाचन जहाज-मावता की ढ़ाणी नवोड़ा में किया गया। जिसमें मंडल के रोहितास सैनी मावता,कृष्ण कुमार सैनी उदयपुरवाटी,बंशी तंवर, छीतरमल, प्रेमचंद, महावीर सैनी, सुनील सैनी,रवि कुमार, नरेंद्र कुमार , केदारमल,हेमंत कुलश्रेष्ठ सहित अन्य श्रद्धालुओं ने सुंदरकांड पाठ का वाचन किया। पाठ वाचन समापन पर बालाजी महाराज की महाआरती कर प्रसाद का भोग लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरण की गई।इस दौरान भोमाराम सैनी,जहाज पंचायत प्रशासक कविता सैनी,सुनिता देवी,शारदा देवी, सरिता देवी, कृष्णा देवी, ममता, मनीषा, मथुरा प्रसाद, रतनलाल, मुकेश कुमार, लोकेश सैनी, लक्की सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी राव संजय सिंह के लिए क्रैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड, सी- 565- सी, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड, जयपुर- 302013 (राजस्थान) से मुद्रित एवं ए-11, प्रथम मंजिल, करधनी शोपिंग सेंटर, हरीमार्ग, मालवीय नगर, जयपुर- 302017 से प्रकाशित।
संपादक: कमलेश सिंह, एच- 6, नंदपुरी कॉलोनी, मालवीय नगर, जयपुर- 302017, फोन न- 0141-48199557 मो. 9166693566 E-mail rdnewsjaipur@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)